टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 194 दिनांकः 19-11-2023 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

राजस्थान की जनता कह रही है '3 दिसंबर, कांग्रेस छू मंतर', भरतपुर चुनावी रैली में गरजे पीएम मोदी

आज भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच महा मुकाबला, तीसरी बार विजेता बनने उतरेगा भारत

ऑस्ट्रेलिया के पास 7वीं बार परचम लहराने का मौका

अहमदाबाद (ईएमएस)। क्रिकेट मैच में टॉस सबसे अहम हिस्सा होता है। क्रिकेट में मैदान पर कमाल के साथ ही कई बार टीमों को किस्मत का भी साथ चाहिए होता है। कई बार ऐसी परिस्थिति होती है कि टॉस के साथ ही लगभग तय हो जाता है कि विजेता कौन होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल होना है। इसके पहले भी पिच के साथ ही टॉस को लेकर चर्चा हो रही है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस टॉस जीतने पर पहले क्या चुनने वाले हैं, इसकी चर्चा जोरों पर हैं।

बात दें कि दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर 11 पिचें हैं। अभी तक साफ नहीं है कि मुकाबला किस पिच पर होगा। लेकिन इतना तय हैं कि मैच वैसी पिच पर होगी, जहां स्पिनर्स को मदद मिलेगी। अच्छी खासी टर्न देखने को मिल सकती है। इसके बाद टॉस जीतने वाला कप्तान पहले बल्लेबाजी ही करेगा। क्योंकि पुराने होने के साथ पिच पर बल्लेबाज मुश्किल होती जाएगी। कोलकाता में हुए ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका के सेमीफाइनल में भी ऐसा ही हुआ था।

वैसे भी क्रिकेट को जानने वाले हमेशा कहते हैं कि बड़े मैचों में टीमों को पहले बल्लेबाजी ही करनी चाहिए। लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को हमेशा स्कोरबोर्ड प्रेशर होता है। 1983 में भारत ने 183 रन बनाकर खिताब जीत लिया था। 2019 में इंग्लैंड की विस्फोटक बैटिंग लाइनअप 242 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई थी और अंत में मुकाबला जैसे-तैसे टाई हो पाया था। इसलिए वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में रोहित शर्मा टॉस जीते या फिर पैट कमिंस, पहले बल्लेबाजी ही चुने।

फाइनल मुकाबले में बड़े स्कार की उम्मीद कम

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले का मंच सजकर तैयार है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना। इस मैच में शायद बड़ा स्कोर देखने को ना मिले। फाइनल मुकाबला भी उसी पिच पर खेला जाएगा, जहां 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान भिड़े थे। यह मैच 73 ओवर में ही खत्म हो गया था। पिच को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि मैं अच्छा पिच रीडर नहीं हूं, लेकिन यह काफी ठोस लग रहा है। कुल मिलाकर विकेट अच्छा लग रहा है, लेकिन अभी मैच शुरू होने में 24 घंटे का समय बाकी है। फाइनल मैच काली मिट्टी की पिच पर होना है। अमूमन काली मिट्टी की पिच स्पिनर्स को अधिक मदद देती हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की टीम पहले खेलकर सिर्फ 191 रन ही बना सकी थी। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए थे।

फाइनल मैच से पहले कमिंस ने कहा कि इसमें शक नहीं है कि अपने देश में अपने विकेट पर खेलने के कुछ फायदे हैं। यहां पर आप लगातार खेल रहे हैं। लेकिन हमने भी यहां बहुत क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आपको धीमी और बाउंसर गेंदों के बीच संतुलना बनाना होगा। भारतीय पिचों पर पारी के अंत में कटर गेंद का फायदा मिलता है। मालूम हो कि ग्रुप राउंड में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हरा चुकी है।

कमिंस ने कहा कि टॉस शायद महत्वपूर्ण नहीं होगा। लेकिन हमारे पास कुछ प्लान है। वनडे वर्ल्ड कप का यह 13वां सीजन है। अब तक हुए 12 सीजन की बात करें, तब ऑस्ट्रेलिया ने 5 भारतीय टीम ने 2 खिताब जीते हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से...

चुनावों के नतीजे डालेंगे असर

यूसीसी कार्ड चल सकती है भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के अगले ही दिन यानी 4 दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा। चुनाव नतीजों से ही तय होगा कि लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में से कौन ज्यादा आक्रामक रुख अपनाता है। विपक्ष जिन मुद्दों को उछाल सकता है, उनमें जातीय जनगणना की मांग सबसे प्रमुख है। ईडी, सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कथित एकतरफा कार्रवाइयों के खिलाफ 'इंडिया' ब्लॉक एकजुट है।

सत्र की शुरुआत से पहले ही तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप और एथिक्स कमेटी की ओर से उन्हें सदन से निकालने की सिफारिश की जा चुकी है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के सांसद राघव के निलंबन का मामला भी गूंजने के आसार हैं। ऐसे में विपक्ष की ओर से टकराव की संभावना बढ़ गई है।

यूसीसी पर बहस छेड़ सकती है भाजपा सरकार

सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस सत्र में यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भी बहस छेड़ना चाहेगी। हालांकि, इस मुद्दे पर अभी लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपी है। इसके अलावा सरकार विंटर सेशन में आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस लॉ से जुड़े तीनों बिल पारित करा सकती है। पिछले सत्र में ये विधेयक गृह मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति के पास भेजे गए थे। समिति ने तीनों बिल पर अपनी सिफारिशें दे दी हैं। विपक्षी सदस्यों ने समिति में अपने असहमति के पत्र देकर अपना इरादा साफ कर दिया है कि सदन में जब भी ये बिल आएंगे तो रास्ता आसान नहीं होगा।

दंड संहिता समेत कई बिल ला सकता है केंद्र

भारतीय दंड संहिता में परिवर्तन से जुड़े 3 विधेयकों के अलावा निस्तारण एवं संशोधन बिल 2022, जिसके तहत 65 पुराने कानून हटाने की व्यवस्था है।

पोस्ट आफिस बिल 2023

अधिवक्ता संशोधन बिल 2023

प्रेस एवं सावधि पंजीकरण बिल 2023

वरिष्ठ नागरिक कल्याण बिल 2023

संविधान संशोधन-एससी,एसटी ऑर्डर 2023

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के अधिकार संबंधी बिल के आसार।

सीतामढ़ी में जहरीली शराब से 6 मौत

परिवार बोला-एक साथ की थी पार्टी; अचानक बिगड़ने लगी तबीयत

सीतामढ़ी (ईएमएस)। सीतामढ़ी में छठ के बीच जहरीली शराब से 6 लोगों की मौत हो गई। परिवार का कहना है कि गुरुवार शाम को सभी ने एक साथ शराब पी थी। शुक्रवार सुबह सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। इलाज के दौरान एक-एक कर सभी की मौत हो गई। 3 मौतें शुक्रवार को और 3 शनिवार को हुई हैं। ये मौतें 3 गांवों में हुई है। सभी आसपास ही हैं। इधर, एसपी मनोज तिवारी ने बताया कि 3 लोगों की मौत हुई है। मामला संदिग्ध है। फिलहाल जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार रात 3 लोगों की मौत हुई थी। जिनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। बाकी तीन की मौत शनिवार सुबह हुई। हालांकि पुलिस का कहना है कि तीन लोगों की मौत हुई है। जहरीली शराब से मौत के बाद एसपी के साथ बाजपट्टी थाना, पुपरी एसडीपीओ समेत अन्य पुलिस बल कैंप कर रहे हैं। गांव वालों ने बताया कि गुरुवार शाम सभी महुआईन में एक साथ शराब पीने गए थे। इसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ गई। निजी अस्पताल में सभी का इलाज चल रहा था।

पूर्व पीएम राजीव गांधी के हत्यादोषियों ने परिवार के साथ रहने की याचना की

-विशेष शिविर में रह रहे पायस नीदरलैंड्स जबकि जयकुमार चेन्नई में रहने की अपील की

राजीव गांधी की हत्या रिहाई के बाद भी नरक भोग रहे हैं, के दोषियों ने हाई कोर्ट से लगाई गुहार

चेन्नई (ईएमएस)। त्रिची के स्पेशल कैंप में रह रहे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषियों ने विसंगतियों का हवाला देते हुए मद्रास हाई कोर्ट से रिहाई की मांग करते हुए अपने परिवार के साथ रहने की अपील की है। याचक रॉबर्ट पायस नीदरलैंड्स जबकि एस जयकुमार चेन्नई स्थित अपने परिवार के साथ रहना चाहता है। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट के इस संबंध में दिये आदेश के बाद जेल में बचे सभी 6 दोषियों को रिहा कर दिया गया था जब?कि 2 लोगों को त्रिची के स्पेशल कैंप में रखा गया है।

याचिका में कहा गया है कि कैंप की स्थिति जेल से भी बदतर है। उन्हें अपने कमरों से निकलकर वहां के ही लोगों से मिलने नहीं दिया जाता है। उन्हें बाहर घूमने टहलने भी नहीं जाने दिया जाता है। उनका कहना है, अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो वे मानसिक रोग का शिकार हो जाएंगे। त्रिची डीएम के साल 2022 के एक साक्षात्कार में बताया गया था कि उन्हें श्रीलंका डीपोर्ट किया जाएगा और 10 दिन में ही आदेश आने वाला था। हालांकि कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इसका मतलब है कि श्रीलंका उन्हें नहीं बुलाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका वापस जाना उनके लिए मौत जैसा होगा।

रॉबर्ट पायस ने कहा कि वह अपने वकील के माध्यम से ऐसे संगठनों से संपर्क कर रहे हैं जो कि उन्हे नीदरलैंड भेजने में मदद करें। बता दें कि पायस का परिवार इस वक्त नीदरलैंड्स में ही रहता है। उनका कहना है कि कैंप में हिरासत में होने की वजह से वह प्रशासन के सामने कोई प्रक्रिया पूरी करने के लिए पेश भी नहीं हो पाते। वहीं जयकुमार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें आंख की सर्जरी करवाने को कहा है अन्यथा उनकी रोशनी जा सकती है।

इन दोनों का कहना है कि उन्हें आंख के इलाज के लिए चेन्नई और मदुरै ले जाया गया था लेकिन डिटेंशन कैंप में होने की वजह से उनका ठीक से इलाज नहीं हो पाया। जस्टिस जीआर स्वामिनाथन ने जयकुमार की याचिका पर सुनवाई 21 नवंबर तक के लिए टाली है।

गौरतलब है कि 21 मई 1991 को एक चुनावी रैली के दौरान तत्कालीन पीएम राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 41 लोगों को आरोपी बनाया गया था जिनमें से 12 की मौत हो गई थी जब?कि तीन पोट्टू ओम्मान, अकीला और प्रभाकरण फरार हो गए थे। 26 लोग पकड़ में आए थे जिनमें से कुछ श्रीलंका के नागरिक थे। साल 1998 में टाडा कोर्ट ने 26 आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी।

टाडा कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने 26 में से 19 आरोपियों को रिहा कर दिया। सात दोषियों की सजा को बरकरार रखा गया जिसे बाद में बदलकर उम्रकैद कर दिया गया।

राजस्थान की जनता कह रही है '3 दिसंबर, कांग्रेस छू मंतर', भरतपुर चुनावी रैली में गरजे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने भरतपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार जहां-जहां बनती है वहां-वहां आतंकवादी, अपराधी और दंगाई बेलगाम हो जाते हैं। कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबकुछ है। कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान की जनता उनसे कह रही है '3 दिसंबर, कांग्रेस छू मंतर'।

'3 दिसंबर, कांग्रेस छू मंतर'

भरतपुर में पार्टी की 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'कांग्रेस ने राजस्थान को भ्रष्टाचार, दंगा और अपराध के मामले में अग्रणी बना दिया और इसलिए राजस्थान कह रहा है कि जादुगर जी वोट नहीं मिलेंगे। कुछ लोग यहां खुद को जादुगर कहते हैं। पीएम मोदी ने कहा, अब से ठीक एक हफ्ते बाद राजस्थान में वोटिंग होने वाली है. हर तरफ एक ही गूंज, जन-जन की यही पुकार, भाजपा सरकार। यहां कुछ लोग खुद को जादूगर कहते हैं। अब राजस्थान की जनता उनसे कह रही है '3 दिसंबर, कांग्रेस छू मंतर'।

कांग्रेस ने प्रदेश में महिलाओं का भरोसा तोड़ा

जहां कांग्रेस की सरकार है वहां आतंकवाद, अत्याचार ये सब बेलगाम है। कांग्रेस ने प्रदेश में महिलाओं का भरोसा तोड़ा है। क्या मुख्यमंत्री प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा कर सकते हैं जो खुद कह रहे हैं कि महिलाएं फर्जी बलात्कार के मामले दर्ज कराती हैं। ऐसी महिला द्वेषी पार्टी को सजा मिलनी चाहिए। कांग्रेस के मंत्री प्रदेश की महिलाओं के प्रति ओछी मानसिकता रखते हैं। वे ऐसा कहते हैं (बलात्कार) इसलिए हो रहा है क्योंकि राजस्थान पुरुषों की भूमि है।

आपसे किए वादे जरूर पूरे होंगे, ये मोदी की गारंटी है

प्रधानमंत्री ने कहा, 'राजस्थान में बीजेपी ने एक शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। भाजपा का संकल्प राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाना है। भाजपा का संकल्प राजस्थान में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करना है। भाजपा का संकल्प हमारी बहनों और बेटियों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना है। हम राजस्थान भाजपा द्वारा किए गए वादों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपसे किए गए ये वादे जरूर पूरे होंगे, ये भी मोदी की गारंटी है। पीएम नेकहा, ''आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। ये मतदाताओं के कारण हो रहा है क्योंकि आपने वोट देकर दिल्ली में स्थिर व मजबूत सरकार बनाई है, इसलिए आज भारत हर मैदान में जीत रहा है।

दलित विरोधी है कांग्रेस

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए इन्हें दलित विरोधी बताया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस राज में दलितों पर अत्याचार के नये रिकार्ड बन रहे हैं। कांग्रेस स्वभाव से दलित विरोधी है। हाल ही में देश को पहला दलित मुख्य सूचना आयुक्त मिला, उनका नाम हीरालाल सामरिया है। वे डीग गांव के रहने वाले हैं। लेकिन कांग्रेस को एक दलित अधिकारी की नियुक्ति रास नहीं आई। कांग्रेस किसी दलित अधिकारी को बड़े पद पर पहुंचते नहीं देख सकती. ये वही कांग्रेस है जिसने रामनाथ कोविन्द का विरोध किया और हमेशा बाबा साहेब अम्बेडकर का अपमान किया।

बिहार में 75 फीसदी आरक्षण को राज्यपाल ने मंजूरी दी

पटना (ईएमएस)। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य की सरकारी नौकरी और शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी, ओबीसी व ईबीसी वर्गों के लिए आरक्षण का दायरा बढ़ाने से संबंधित विधेयकों को मंजूरी दे दी। जिससे राज्य में रिजर्वेशन का दायरा 75 फीसदी हो गया है।

राजभवन सूत्रों के अनुसार दिल्ली से आते ही राज्यपाल विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार में एससी-एसटी, ईबीसी और ओबीसी के लिए आरक्षण का दायरा बढ़ाने से संबंधित बिहार पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण संशोधन विधेयक 2023 और बिहार में आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 पर हस्ताक्षर कर दिये। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद सामान्य प्रशासन विभाग इसको लेकर गजट प्रकाशित करेगा। गजट प्रकाशित होते ही बिहार में आरक्षण की नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

गौरतलब है कि बिहार सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान 9 नवंबर को नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण संशोधन विधेयक 2023 पेश किया था जिसे दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इसमें आरक्षण का दायरा 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का प्रावधान है। नए प्रावधान के बाद अनुसूचित जाति को 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 2 प्रतिशत, अति पिछड़ी जाति को 25 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग को 18 प्रतिशत आरक्षण मिल सकेगा। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए पहले की तरह ही 10 प्रतिशत आरक्षण लागू रहेगा।

भारत में ही लड़ाकू विमान का इंजन बनाने का रास्ता साफ

अमेरिका ने जनरल इलेक्ट्रिक को दीं सभी मंजूरियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में एलसीए मार्क 2 लड़ाकू विमान के इंजन जनरल इलेक्ट्रिक के साथ मिलकर बनाने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल अमेरिका ने इससे संबंधित सारी मंजूरी दे दी हैं। डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर वी कामत ने बताया कि च्एलसीए मार्क 2 के इंजन और स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की पहली दो स्कवाड्रन का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के साथ मिलकर करेगी। अमेरिका ने इससे जुड़ी सभी मंजूरी दे दी हैं।

अमेरिकी सरकार ने दी मंजूरी

बता दें कि पीएम मोदी की जून में अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में कई अहम समझौते हुए थे। इसके तहत अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक भारतीय कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर लड़ाकू विमान के इंजन बनाने वाली है। जनरल इलेक्ट्रिक ने अमेरिका कांग्रेस में एक आवेदन देकर संयुक्त रूप से लड़ाकू इंजन बनाने की मंजूरी मांगी थी। अब डीआरडीओ चीफ के बयान से साफ है कि अमेरिका सरकार ने ये मंजूरियां दे दी हैं।

देश में 99 इंजन तैयार होंगे

जनरल इलेक्ट्रिक, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर एफ-414 जेट इंजन का निर्माण करेगी। दोनों कंपनियां मिलकर भारत में 99 इंजनों का निर्माण करेंगी और इसमें एक अरब डॉलर से कम की लागत आने की उम्मीद है। जनरल इलेक्ट्रिक इन इंजनों के निर्माण में जो प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराएगा, उनमें गर्म सिरे के लिए जंग, कटाव और थर्मल बाधा से बचाव के लिए विशेष कोटिंग की प्रौद्योगिकी शामिल हैं। एचएएल को एलसीए एमके-2 को तैयार करने में तीन साल का समय लग सकता है।

खटटर सरकार के कानून कर रदद कर हाईकोर्ट ने कहा, वे केंद्र की शक्ति का अतिक्रमण नहीं कर सकते

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा के लोगों के लिए प्राइवेट नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण को लेकर हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर सरकार द्वारा बनाए कानून को रद्द कर दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कई गंभीर टिपण्णी की है। न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायमूर्ति हरप्रीत कौर जीवन की खंडपीठ ने मामले में अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार की विधायिका की शक्तियां राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक नहीं हो सकती हैं। वे सीधे तौर पर केंद्र की शक्ति का अतिक्रमण नहीं कर सकती हैं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार किसी प्राइवेट कंपनी को स्थानीय लोगों को नियुक्त करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती है। इससे ऐसी प्रथा विकसित होगी कि एक राज्य दूसरे राज्य के लिए दीवारें खड़ी कर सकती हैं। कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार प्राइवेट कंपनियों को ऐसा काम करने के लिए नहीं कह सकती है, जो भारत के संविधान के तहत करने से मना किया गया है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि संविधान नागरिकों के खिलाफ उनके जन्म स्थान और निवास स्थान के आधार पर रोजगार के संबंध में भेदभाव को रोकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्तियों और मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण को संविधान की भावना के अनुसार पढ़ा जाना चाहिए, न कि समाज की लोकप्रिय धारणाओं को ध्यान में रखकर। पीठ ने कहा, न्यायालय द्वारा अधिकार खोने से लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा।

भारत के संविधान की भावना और एकता को कम नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा, बिरादरी शब्द सामान्य भाईचारे की भावना को दर्शाता है। सभी भारतीयों को गले लगाने के लिए है। देश के दूसरे राज्यों के नागरिकों के लिए आंखें नहीं मूंदी जा सकती हैं।

पीठ ने कहा कि हरियाणा से बाहर के नागरिकों के एक समूह को दोयम दर्जा देने और उनकी आजीविका कमाने के मौलिक अधिकारों में कटौती करके संवैधानिक नैतिकता की अवधारणा का खुले तौर पर उल्लंघन किया गया है। पिछले साल हाईकोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी और जननायक जनता पार्टी की गठबंधन सरकार द्वारा लाए गए कानून पर रोक लगा दी थी। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को इस निर्देश के साथ रद्द कर दिया कि राज्य सरकार कंपनियों के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठा सकती है।

10 विधेयकों को लौटने पर राज्यपाल से नाराज हुए सीएम स्टालिन

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य विधानसभा में पुनर्विचार को लेकर एक प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने सदन में प्रस्ताव को पेश कर राज्यपाल आरएन रवि द्वारा 10 विधेयकों को लौटने पर नाराजगी जाहिर की हैं।

सीएम स्टालिन ने विधानसभा में प्रस्ताव पेश कर कहा कि बिना कोई कारण बताए ही राज्यपाल रवि ने 10 विधेयकों को लौटाया है। उन्होंने सदन में राज्यपाल के फैसले पर नाराजगी जाहिर कर विशेष प्रस्ताव पेश किया।

स्टालिन की ओर से पेश प्रस्ताव में कहा गया है कि 'यह सदन संकल्प करता है कि तमिलनाडु विधानसभा के नियम 143 के तहत विधानसभा द्वारा निम्नलिखित विधेयकों पर पुनर्विचार किया जा सकता है।

सीएम ने राज्यपाल रवि पर आरोप लगाकर कहा कि वह सरकार की पहल को बाधित करना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि उनके द्वारा विधेयकों को लौटाया जाना और उन्हें मंजूरी न देना अलोकतांत्रिक और जनविरोधी है।

वहीं, तमिलनाडु के स्पीकर अप्पावु ने कहा कि विधेयकों को सदन में पारित कर फिर से राज्यपाल आरएन रवि को भेजे जाएंगे। इससे पहले सीएम ने आरोप लगाया कि गैर-भाजपा शासित राज्यों को केंद्र द्वारा नियुक्त राज्यपालों के जरिए निशाना बनाया जा रहा है।

सिल्कयारा सुरंग के प्लान में बचकर निकलने के लिए एक मार्ग बनाया जाना था, लेकिन यह रास्ता बनाया नहीं गया

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड में सुरंग के नक्शे से ज्ञात हुआ है कि 4.5 किलोमीटर लंबी सिल्कयारा सुरंग के प्लान में बचकर निकलने के लिए एक मार्ग बनाया जाना था, लेकिन यह रास्ता बनाया नहीं गया. मजदूरों के परिवारों के कुछ सदस्यों और निर्माण में शामिल अन्य श्रमिकों ने कहा कि अगर भागने का रास्ता बनाया गया होता तो अब तक मजदूरों को बचाया जा सकता था.

इस तरह के बचाव मार्गों का उपयोग सुरंगों के निर्माण के बाद भी किया जाता है. सुरंग के किसी हिस्से के ढहने, भूस्खलन या किसी अन्य आपदा के हालात में फंसे वाहनों में सवार लोगों को इस तरह के रास्ते से निकाला जा सकता है.

सुरंग का यह नक्शा तब सामने आया जब केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने गुरुवार को सुरंग ढहने वाले स्थान का दौरा किया. उन्होंने कहा था कि मजदूरों को दो-तीन दिनों में बचा लिया जाएगा. सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री ने कहा था कि बचाव कार्य जल्द पूरा किया जा सकता है, यहां तक कि शुक्रवार तक भी, लेकिन सरकार अप्रत्याशित कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए लंबी समयसीमा तय कर रही है.

सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के अब तक तीन तरीके आजमाए जा चुके हैं और अब तीन और तरीकों पर काम किया जा रहा है.

प्लान-ए के तहत मलबे को हटाने और मजदूरों तक पहुंचने के लिए बुलडोजर का उपयोग करना था. हालांकि टीमों को एहसास हुआ कि चट्टान ढीली हैं और मलबे को हटाने के बाद उसकी जगह और अधिक मलबा आने की आशंका है, इसलिए यह योजना छोड़ दी गई.

प्लान-बी में फंसे हुए मजदूरों तक 900 मिलीमीटर के व्यास वाला पाइप पहुंचाने के लिए एक बरमा मशीन का उपयोग किया जा रहा था. इस पाइप में से उन्हें रेंगकर बाहर निकालने की योजना थी. लेकिन बरमा मशीन बहुत शक्तिशाली नहीं थी और अप्रभावी साबित हुई.

अल-शिफा अस्पताल में आईसीयू के सभी मरीजों की मौत

डॉक्टर बोले- इजराइल ने 1 घंटे में अस्पताल खाली करने को कहा

तेल अवीव (ईएमएस)। इजराइल-हमास जंग के बीच इजराइली सेना ने डॉक्टरों और मरीजों को अल-शिफा अस्पताल खाली करने के लिए 1 घंटे का समय दिया है। कतर के मीडिया हाउस अलजजीरा से बात करते हुए इस अस्पताल के एक डॉक्टर ने ये दावा किया है। हालांकि, आईडीएफ ने इन दावों को खारिज कर दिया है।

दूसरी तरफ, अस्पताल में 4 प्रीमैच्योर नवजातों के साथ ही करीब 40 मरीजों की भी मौत हो गई है। अलजजीरा के मुताबिक, गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि वो अस्पताल के आईसीयू में मौजूद सभी मरीजों को खो चुके हैं। अस्पताल में सुविधाओं और खासकर फ्यूल की कमी की वजह से मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है।

इजराइल डिफेंस फोर्स ने बताया कि वो हमास के खात्मे के लिए कहीं तक भी जाएगी। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा- हमास जहां भी मिलेगा, हम वहां जाकर उसे मिटाएंगे, फिर चाहे वो गाजा पट्टी का दक्षिणी हिस्सा ही क्यों न हो। इससे पहले गुरुवार को साउथ गाजा के खान यूनिस में सेना ने पर्चे गिराकर लोगों को शहर खाली करने को कहा था।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी

वहीं यूएन के मानवीय मामलों के चीफ मार्टिन ग्रिफिथ ने कहा- हमारी मांग बहुत ही सरल है। जंग को रोक दें ताकि आम नागरिक सुरक्षित जगहों पर जा सकें। आप चाहें इसे जो समझें लेकिन ये सिर्फ मानवीय कारणों से कहा जा रहा है। हम चांद नहीं मांग रहे हैं। हम सिर्फ कुछ बुनियादी बदलावों की मांग कर रहे हैं, जिससे नागरिकों की जान बचाई जा सके। इससे पहले इजराइली कैबिनेट ने अहम फैसला किया। इसके तहत गाजा में हर दिन 2 फ्यूल टैंकर भेजे जाएंगे। इजराइल की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चेयरमैन जाची हांगेबी ने कहा- अमेरिका ने फ्यूल के बारे में यह अपील की थी। इसका इस्तेमाल ह्र के कामों, पानी और सीवेज सिस्टम को बनाए रखने के लिए किया जाएगा।

भारत के पड़ोसी मुल्क म्यांमार में विद्रोह, चिंता में दिख रही भारत सरकार

विदेश मंत्रालय ने लड़ाई को रोकने का आह्वान किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अपनी सीमा के पास म्यांमार सेना और सैन्य शासन विरोधी समूहों के बीच लड़ाई को रोकने का आह्वान किया, जिससे मिजोरम में पड़ोसी देश के शरणार्थियों की आमद बढ़ गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भारत-म्यांमा सीमा के नजदीक हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लड़ाई के परिणामस्वरूप, भारत-म्यांमा सीमा पर पड़ोसी देश के नागरिकों की भारतीय सीमा में आवाजाही बढ़ी है। बागची ने कहा कि हम अपनी सीमा के करीब ऐसी घटनाओं से बेहद चिंतित हैं।

27 अक्टूबर को थ्री ब्रदरहुड एलायंस अराकान आर्मी, म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी और ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी शामिल थे। उसने चीन की सीमा से लगे म्यांमार के उत्तरपूर्वी शान राज्य में ऑपरेशन 1027 शुरू किया। रखाइन राज्य में भी एक साथ हमले हुए। उनकी मांग लोकतंत्र की बहाली के लिए है, जो फरवरी 2021 में तख्तापलट में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद से नष्ट हो गया है। वास्तव में, उन्होंने आक्रामक शुरुआत में एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि ऑपरेशन हमारी सामूहिक इच्छा से प्रेरित था नागरिकों के जीवन की रक्षा करना, आत्मरक्षा के अपने अधिकार का दावा करना, अपने क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखना और म्यांमार सेना की ओर से चल रहे तोपखाने हमलों और हवाई हमलों का दृढ़ता से जवाब देना। रिपोर्टों के अनुसार, म्यांमार सेना ने कई शहरों और 100 से अधिक सुरक्षा चौकियों पर नियंत्रण खो दिया है, इसकारण चीनी सीमा के पास आठ टाउनशिप में मार्शल लॉ की घोषणा की गई है। जातीय सशस्त्र समूहों ने बताया कि शान राज्य में म्यांमार सेना की एक पूरी बटालियन ने आत्मसमर्पण किया है और वे जल्द ही क्षेत्र के प्रमुख शहर लाउक्किंग पर कब्जा करने वाले हैं। आक्रामक शुरुआत करने के बाद से थ्री ब्रदरहुड एलायंस ने जीत का दावा किया है।

हाल ही में 14 नवंबर को मामले से जुड़े जानकार ने पोस्ट किया था कि म्यांमार में विद्रोहियों ने भारतीय सीमा के साथ दो शहरों चिन में रिखावदार और सागांग क्षेत्र में खमपत पर कब्जा कर लिया है। ये दोनों शहर भारत के व्यापार मार्गों के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन भारत की चिंता सिर्फ कब्जा किए गए शहरों तक ही सीमित नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आक्रामक चिन राज्य के आसपास केंद्रित है। चिन विद्रोह को मिजोरम में स्थानीय लोगों का समर्थन प्राप्त था, आंशिक रूप से घनिष्ठ जातीय संबंधों के कारण, और म्यांमार के हजारों लोगों ने अपदस्थ राज्य और संघीय सांसदों सहित छोटे भारतीय राज्य में शरण मांगी। मिजो लोगों के म्यांमार के चिन समुदाय के साथ संबंध हैं, और इससे उनकी आमद हुई है। वे चिंतित हैं कि आमद राज्य में गतिशीलता को बदल देगी और राज्य में युद्धरत मेइतेई और कुकी के बीच संघर्ष को और बढ़ा देगी। रिपोर्टों के अनुसार, म्यांमार से कम से कम 5,000 लोग मिजोरम में प्रवेश कर चुके हैं। मिजोरम पुलिस ने कहा कि 5,000 से अधिक लोगों ने म्यांमार सीमा के साथ मिजोरम के दो गांवों में शरण ली है।

जन हितैषी

भारत में ताप बिजली संयंत्रों की स्थापना, लौट के बुद्धू घर को आए?

भारत में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। सितंबर माह में अभी तक की सबसे ज्यादा 240 गीगावाट बिजली की मांग रही है। अगले साल बिजली की मांग 250 गीगावॉट तक पहुंचाने की संभावना है।

सकल बिजली उत्पादन में ताप विद्युत संयंत्र का योगदान 73 से 75 फ़ीसदी है। 2014 के बाद से भारत में कोयले पर आधारित विद्युत संयंत्र लगाने से सरकार पीछे हट गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण की दृष्टि से कोयले पर आधारित संयंत्र के स्थान पर,अक्षय ऊर्जा, परमाणु संयंत्र और अन्य माध्यमों से बिजली उत्पादन को वरीयता दी गई। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय जो कोयला नीति तैयार की गई थी। उसमें जहां पर कोयला उपलब्ध था। वहीं पर बिजली संयंत्र लगाने की नीति बनाई गई थी, ता?कि सस्ती ?बिजली उपभोक्ताओं को ?मिले। कोयला खदानों के आवंटन की शर्त थी, कि जिस स्थान पर कोयला है। वहीं पर बिजली और सीमेंट के संयंत्र लगाने की शर्त रखी गई थी। देश के उद्योगपतियों ने कोयला आवंटन नीति में बिजली और सीमेंट के संयंत्र लगाने के लिए कोयला आवंटन नीति में खदाने आवंटित कराई थी। इसी बीच सरकार बदल गई। 2014 मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केंद्र में आ गई। कोयला आवंटन नीति को लेकर सरकार बनने के पहले भाजपा ने मनमोहन सिंह के ऊपर बड़े आरोप लगाए थे। कोयला आवंटन नीति में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने,मनमोहन सिंह की कोयला नीति को खत्म करते हुए नई कोयला नीति बनाई। उसके बाद सरकार ने बिजली,सीमेंट संयंत्र लगाने की शर्त हटा दी। कोयला नीलामी की शर्त बदल दी गई। जिसमें कोयला खदान लेने वाले कोयला का उत्खनन करके बाजार में बेच सकते हैं। बिजली संयंत्र लगाने की अनिवार्य शर्त को हटा दिया गया। जिसके कारण 2014 के बाद से कोई भी पावर प्लांट नहीं लगे।

मनमोहन सरकार के समय की कोल आवंटन नीति में संयंत्र लगाने के लिए ही कोयला खदाने आवंटित की गई थी। मोदी सरकार ने वह शर्त हटा ली जिसके कारण भारत में कोयला आधारित ताप संयंत्र लगना ही बंद हो गए।

अब बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए एक बार फिर राज्य और केंद्र सरकार ताप बिजली संयंत्र लगाने की दिशा में आगे बढ़ चले हैं। मध्य प्रदेश में अनूपपुर और बैतूल में 660 मेगावाट के दो संयंत्र स्थापित करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। गुजरात राज्य में भी 500 मेगावाट बिजली के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 6 गीगावॉट ताप क्षमता के विद्युत संयंत्र स्थापित किया जा रहे हैं। बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए अब कर्नाटक और उड़ीसा ने भी कोयला आधारित बिजली संयत्र स्थापित करने की योजना तैयार की है। जबकि इसके पहले कोयले से बिजली का उत्पादन नहीं करने की कसम खा ली थी। तमिलनाडु सरकार भी अगले 2 वर्षो में 4.1 गीगावॉट का ताप बिजली संयंत्र लगाने जा रही है। जैसे-जैसे बिजली की मांग बढ़ रही है। वैसे-वैसे ही बिजली के दाम भी बढ़ रहे हैं। कई राज्य 10 रुपये यूनिट तक की मंहगी बिजली खरीद रहे हैं। पिछले 6-7 वर्षो में जिस तरह से बिजली उत्पादन के क्षेत्र में भारत पिछड रहा है। कई राज्यों में एक बार फिर 2000 के दशक जैसा विद्युत संकट देखने को मिलने लगा है। उपभोक्ताओं को मांग के अनुसार आपूर्ति नहीं हो पा रही हैं। कई राज्यों में बिजली की कटौती की जा रही है। एक बार फिर विद्युत संकट का सामना कई राज्यों को करना पड़ेगा। बिजली की कीमतों को घटाने के लिए भी केंद्र एवं राज्य सरकारों में बड़ा दबाव है। अक्षय ऊर्जा और वैकल्पिक ऊर्जा को लेकर भारत सरकार द्वारा जो काम किया जाना चाहिए था। वह नहीं किया गया। जिसके कारण विद्युत की बढ़ती हुई मांग की पूर्ति करने के लिए,अब एक मात्र सहारा ताप बिजली घर ही रह गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की दीर्घकालीन दूर दृष्टि को राजनीति के नागपास ने जकड़ लिया था। मनमोहन सिंह और कांग्रेस पार्टी को सबसे भ्रष्ट पार्टी बता दिया गया था। एक बार फिर मनमोहन सिंह सरकार की बनाई ताप विद्युत ग्रहों को स्थापित करने की नीति, वर्तमान सरकार को भी अपनानी पड़ रही है। इस 10 साल में हम बहुत कुछ खो चुके हैं। ताप विद्युत ग्रहों के स्थापित होने से एक बार फिर एनटीपीसी,टाटा पावर,भेल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की स्थिति में एक बार फिर से सुधार होगा। रोजगार का निर्माण भी होगा। भारत में कोयला पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। लौट के बुद्धू घर को आये, की तर्ज पर 10 साल के बाद एक बार फिर हम ताप विद्युत घरों की ओर लौट रहे हैं। जब जागे तभी सवेरा,यही कहा जा सकता है।

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती?

प्रतिभा किसी की मोहताज़ नहीं होती प्रतिभा कभी झुकने नहीं देतीत प्रतिभायें शिखर पर जरूर पहुंचाती हैत आज लोग तिगड़म व जीहजूरी के बलबूते सफलता हासिल कर चुके कुछ लोग आज भले ही उंचे ओहदों पर पहुंचे है मगर यह लोग इनके काबिल नहीं है। तिगड़म व तलवे चाटकर सफलता हासिल करना आसान है मगर उसे बनाए रखना कठिन है। जीहजूरी से सफलता हासिल करने वाले गुलामी में ही जीएंगें।एक मेहनती व स्वाभिमानी सिर उठाकर ही चलेगा। व औंधे मुंह गिरेगें।दूसरों का हक मारकर सफल बने लोगों को वक्त एक दिन जरुर आईना दिखाएगा जब असफल होकर उसी परिपाटीपरआएगें। साम,दाम ,दंड, भेद जैसी नापाक नीतियां अपनाकर यह लोग सफलता हासिल कर चुके है। खुद तो यह लोग तिगड़मों से सैटल हो गए है अब अपने चिरागों को रोशन करने के लिए जुगाडतंत्र फिट करने में मशगूल रहते है।आज भले ही यह लोग अपने लाडलों को नकल के बलबूते अग्रसर कर रहे है लेकिन आगे पिछड़ जाएगें तब होश ठिकाने आएगें। तिगड़मों को ही सब कुछ मान बैठे हैं मगर चिरित्रहीन लोगों के साथ ही इनका नाता है।दूसरों को दुख देकर भले ही आज सुख भोग रहे है मगर जब समय अपना हिसाब मांगेगा तब दीवारों पर सिर पटकेगे कि हमने दूसरों के हको पर डाका डालकर कितना गलत किया था।तिगड़मबाज यह लोग अपने अबैध कामों के लिए हर नीति अपनातें है जबकि दूसरों के वैध व जरुरी कामों के लिए आनाकानी करते है। कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह जरुर मिलेगा।देर जरुर है मगर सच ही पुरस्कृत होता है।आज कुछेक तथाकथित लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिश के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त जरुर धूल चटाता है जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता एक कहावत की घर का जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बेशक स्वाभिमानी अभाव में रहता है पर वह किसी के प्रभाव में नहीं रहता है अपने स्वभाव में रहता है। अपने स्वाभिमान को बरकरार रखो। जीहजूरी करने वाला सिर झुकाकर ही चल सकता है। थर्ड श्रेणी में मुशिकल से पास हुए लोग आज उपदेश देते है कि हमने मेहनत की है मगर सच्चाई सौ परदे फाड़कर बाहर आती है। समय आने पर धराशायी जरुर होगें। नकल व रिश्वत के बल पर सफलता हासिल करने वाले एक दिन बेनकाब होगें नकली पंख कब तक उड़ान देगें। गीदड़ को अगर शेर की खाल पहना दी जाए तो वह शेर नहीं बन जाता।जीहजूरी करने वालों को बंदरों की तरह ही नचाया जाएगा।मदारी उसे अपने हिसाब से नचाएगें। तब दीवारों पर सिर पटकेगे कि हमने दूसरों के हको पर डाका डालकर कितना गलत किया था।तिगड़मबाज यह लोग अपने अबैध कामों के लिए हर नीति अपनातें है जबकि दूसरों के वैध व जरुरी कामों के लिए आनाकानी करते है। कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह जरुर मिलेगा। देर जरुर है मगर सच ही पुरस्कृत होता है। आज कुछेक तथाकथित लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिश के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त जरुर धूल चटाता है जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता एक कहावत की घर का जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थो के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है। आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है। अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती है तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किया जा रहा है। मगर वक्त एक ऐसा तराजू है जिसके एक पलड़े में जिन्दगी और दूसरे पलड़े में मौत होती है जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है। जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्ध देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी।आज लोगों के पास समय नहीं है इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिये समय नहीं है। हर समय पैसा ही पैसा कमाने मे व्यस्त रहता है।अनैतिक तरीकों से धन कमा रहा है मगर मानव को यह पता है कि दुनिया में नंगा आया था नंगा ही जाएगा तो यह धन-दौलत का लालच क्यों कर रहा है। गलत काम करके पैसा अर्जित करके आलिशान महल बना रहा है मगर पल की खबर नहीं है।मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए। आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे मानव को कीडे-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की चमक फीकी पड़ जाती है। यह लोग कार, कोठी और पैसे को ही जीवन का ध्येय मान बैठे हैं। महगें कपड़े पहन कर कोई आदमी बड़ा नहीं है बल्कि उसके गुणों के कारण ही पहचान होती है। कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग घातक होते है। आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए। कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बद्दुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए। आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है। मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए। मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता।(लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

खेल - समाचार

गगनजीत भुल्लर ने अपनी बढ़त तीन शॉट की कर ली

जकार्ता (ईएमएस)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने बीएनआई इंडोनेशियाई मास्टर्स के दूसरे दौर में चार अंडर 67 का कार्ड खेलकर अपनी बढ़त तीन शॉट की कर ली। भुल्लर हालांकि दूसरे दौर के पहले आठ होल में चार अंडर पर चल रहे थे जिससे वह अपने कार्ड से निराश होंगे। हालांकि अब उनका कुल स्कोर 12 अंडर 130 है। भारत के 11 गोल्फरों में से सात ने कट हासिल किया जिसमें से दो एस चिक्कारंगप्पा (71-65) और वीर अहलावत (69-67) संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर चल रहे हैं।

कट हासिल करने वाले अन्य भारतीय राशिद खान (69-68) और करणदीप कोचर (69-68) संयुक्त 21वें स्थान पर चल रहे हैं। हनी बेसोया (65-73) संयुक्त 29वें स्थान पर हैं। अनिर्बान लाहिड़ी संयुक्त दो अंडर से 55वें स्थान पर है जो कट लाइन भी है। अजीतेश संधू, यशास चंद्रा, एसएसपी चौरसिया और शिव कपूर कट हासिल करने से चूक गए।

नेहा त्रिपाठी ने हीरो महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 15वें चरण के तीसरे दौर में शुक्रवार को यहां एक ओवर 73 का कार्ड खेलकर नौ शॉट के बड़े अंतर के साथ खिताब अपने नाम किया। नेहा का यह सत्र का तीसरा खिताब है। वह शुरुआती दो दौर में 72 और 73 का कार्ड खेलने के बाद 4 शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर थी और तीसरे दौर के बाद इस बढ़त और और बड़ा करने में सफल रही।

सलामी बल्लेबाज डी कॉक ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संन्यास ले लिया

कोलकाता (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने पूर्व घोषणा के अनुसार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ले लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल गए विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में मिली हार के बाद डीकॉक ने संन्यास लिया है, उन्होंने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी कि भारत में इस प्रारुप में उनके अभियान का आखिरी प्रदर्शन होगा।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार व्यक्तिगत प्रयास के बाद डीकॉक का एकदिवसीय करियर सेमीफाइनल चरण में समाप्त हुआ। सेमीफाइनल में हार के बाद डी कॉक के बारे में कहा कि वह चीजों को एक अलग तरीके से समाप्त करना चाहते थे, लेकिन एक टीम के रूप में हमने जिस तरह की पारी और लड़ाई दिखाई थी, उस हमेशा याद रखा जाएगा।

बावुमा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में वह खेल के दिग्गजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे। डीकॉक ने इस टूर्नामेंट की 10 पारियों में 59.40 की औसत से 594 रन बनाए, जिसमें केवल विराट कोहली ने डी कॉक से अधिक रन बनाए। टूर्नामेंट के आंकड़े दर्शाते है कि डी कॉक ने अपने एकदिवसीय करियर को बेहद प्रभावशाली आंकड़ों के साथ समाप्त किया। डीकॉक ने अपने 155 एकदिवसीय मैचों में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 45.74 की औसत और 96.64 की स्ट्राइक रेट से 6770 रन बनाए जिसमें 21 शतक भी शामिल है।

43 साल के वन डे ?क्रिकेट में 150 बार हो चुकी है ऑस्ट्रेलिया-भारत की भिड़ंत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे में 150 बार अभी तक भिड़ी हैं। यह 43 साल का इ?तिहास रहा है। ?जिसमें आस्ट्रे?लिया ने 83 और भारत ने 57 मैच जीते हैं। अब देखना है ?कि र?विवार का फायनल ?किसके नाम रहेगा। गौरतलब है ?कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई है। जहां उनका सामना 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा। दोनों टीमें इसके लिए तैयार है। मोहम्मद शमी, विराट कोहली जैसे खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में इस साल भारत के वर्ल्ड कप जीतने की पूरी संभावना है। फाइनल मुकाबले से पहले यह जानना जरुरी है ?कि दोनों टीमें अब तक वनडे में कितनी बार आमने सामने आई है और किस टीम का पलड़ा भारी रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे में 150 बार अभी तक भिड़ी हैं। दोनों टीमें 43 साल से वनडे क्रिकेट में आमने सामने रही हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 83 मैच जीते हैं जबकि भारत 57 मैचों में विजयी रहा है। जबकि 10 मैचों का कोई रिजल्ट नहीं सका है। यहां भारतीय टीम की जीत का प्रतिशत 36.98 फीसदी है जबकि ऑस्ट्रेलिया की जीत फीसदी 56.16 प्रतिशत है। ऐसे में यहां पर ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी ??दिख रहा है। वही वर्ल्ड कप की बात करें तो दोनों टीमें अब तक वनडे विश्व कप में 13 बार आमने सामने आई है। यहां भी ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 8 तो वहीं भारत ने अब तक 5 मुकाबले अपने नाम किए हैं।

अब फाइनल मुकाबले में कौन सी टीम जीतेगी यह देखना दिलचस्प होगा। गौरतलब है ?कि ऑस्ट्रेलिया ने भारत को आईसीसी टूर्नामेंट्स के नॉक आउट मुकाबलों में अब तक 4 बार हराया है। साल 2003 के विश्व कप फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम आमने सामने हुई थी। लेकिन वहां टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में कंगारू टीम के कप्तान रिकी पोंटिंग की नाबाद 140 रन की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 359 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। भारतीय टीम 234 रन पर ही ढेर हो गई थी। इस तरह भारत फाइनल मुकाबला जीतने से उस दौरान चूक गया था।

ज्वेरेव ने साल का 55वां मैच जीत कर हासिल किया विश्व में सातवां स्थान

टयूरिन (ईएमएस)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने निट्टो एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल से चूकने के बावजूद जीत हा?सिल करके ?विश्व में सातवां नबर पाया है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 2023 में अपने शानदार वापसी सत्र का अंत किया। उन्होंने शुक्रवार रात आंद्रेई रुब्लेव को 6-4, 6-4 से हराया और 55 मैच जीत के साथ विश्व में नंबर 7 के रूप में वर्ष का अंत किया। 2022 के रौलां गैरो सेमीफाइनल में टखने की चोट के बाद 2022 सीज़न के आधे से अधिक भाग से चूकने के बाद, ज्वेरेव ने सीज़न के दौरान जो हासिल किया उससे वे काफी संतुष्ट होंगे, जो कि उनके पहले नौ मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ शुरू हुआ था। जर्मन ने रेड ग्रुप को 2-1 रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया लेकिन सीज़न के समापन के नॉकआउट चरण से चूक गए क्योंकि ग्रुप प्रतिद्वंद्वियों कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव के पास बेहतर सेट-जीत रिकॉर्ड थे। इस दौरान ज्वेरेव ने कहा ?कि मुझे इस सप्ताह को सकारात्मक तरीके से देखना होगा। मैंने अल्काराज को हराया और रुब्लेव को हराया। ज्वेरेव ने रुब्लेव की दूसरी सर्विस पर 64 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने कहा ?कि चोट के बाद, दो मैच जीतकर दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के साथ यहां वापस आना, मुझे बहुत उम्मीद देता है। मैं अगले वर्ष के लिए उतना ही प्रेरित हूं जितना मैं हूं। बता दें ?कि दो बार के निट्टो एटीपी फाइनल्स चैंपियन ने अल्काराज पर तीन सेट की जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की, लेकिन अपने दूसरे मैच में मेदवेदेव से सीधे सेटों में हार महंगी साबित हुई। रुब्लेव के लिए पाला एल्पिटौर में यह निराशाजनक वापसी थी, जो पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद इस बार एक भी मैच जीतने में असफल रहे।

डेनमार्क, अल्बानिया ने यूरो -2024 के लिए किया क्वालीफाई

बर्लिन (ईएमएस)। डेनमार्क ने स्लोवेनिया को 2-1 से हराकर यूरो 2024 के ?लिए क्वालीफाई कर ?लिया है। डेनमार्क ने एक मैच शेष रहते हुए अपनी योग्यता पूरी कर ली, जबकि मोल्दोवा के साथ 1-1 का गतिरोध अल्बानिया के लिए यूईएफए यूरो 2024 में जगह बनाने के लिए पर्याप्त था। डेनमार्क ने घरेलू सरजमीं पर अत्यधिक उत्साह से शुरुआत की और 11 मिनट के खेल के साथ करीब आ गया क्योंकि स्लोवेनिया के गोलकीपर जान ओब्लाक को बॉक्स के अंदर सेंटर से जोनास विंड के खतरनाक हेडर को रोकना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेजबान टीम ने धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से दबाव बढ़ाया और उन्होंने 22 मिनट गुजरने के साथ ही स्कोरिंग की शुरुआत कर दी थी लेकिन जोकिम माहेले का क्लोज-रेंज गोल ऑफसाइड करार दिया गया। इस दौरान स्लोवेनिया डेनमार्क को रोक नहीं सका और 26वें मिनट में पिछड़ गया जब विक्टर क्रिस्टियनसेन के इनस्विंग क्रॉस को बैक पोस्ट पर माहेले मिला, जिसने ओपनर को गोल में डाल दिया।

हालां?कि डेनमार्क की बढ़त केवल चार मिनट तक कायम रही, क्योंकि स्लोवेनिया ने लक्ष्य पर अपने पहले ही प्रयास में बराबरी हासिल कर ली, जब एरिक जांज़ा ने दीवार के ऊपर से दाएं कोने में फ्री किक मारी, जिससे गोलकीपर कैस्पर शमीचेल असहाय हो गए। मेजबान टीम फिर से शुरू होने के बाद हमलों के साथ सामने आई और स्लोवेनिया की रक्षा को व्यस्त रखा। अंततः डेनमार्क को इसका फायदा मिला और उसने 54वें मिनट में फिर से बढ़त बना ली जब थॉमस डेलाने ने एक फ्लिक कॉर्नर पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। बता दें ?कि डेन ग्रुप एच में अपना शीर्ष स्थान पहले ही पक्का कर चुके हैं, जबकि स्लोवेनिया को अभी भी कुछ और काम करना है।

विश्व की लोकप्रिय दबंग नेता रही इन्दिरा गांधी!

(जन्म दिवस 19 नवम्बर पर)

इन्द्रिरा गांधी ने आम कार्यकर्ता को तरजीह देने के साथ ही दुनिया के बडे से बडे नेता से निरंतर समर्पक बनाये रखा और भारत का दुनिया के देशों के बीच महत्व सिद्ध करनेकी कौशिश की इसके लिए उन्होने प्रधानमन्त्री के रूप में देश की सेवा करते हुए भारत को न सिर्फ दुनिया भर में पहचान दिलाईबल्कि दुनिया को अपनी ताकत का लोहा भी मनवाया। आजादी की लडाई में बाल वानर सेनाखडी कर अंग्रेजो को चुनौती देने वाली इन्दिरा बचपन से ही देश पर न्योछावर होने को आतुर थी। अपने पिता पंडित जवाहर लाल नेहरू सेराजनीतिक प्रशिक्षण प्राप्त कर एक परिपक्व नेता बनी इन्दिरा ने कभी पीछे मुडकर नही देखा और देश की एकता व अखण्डता के लिए सदैव आगे बढती चली गई।जीवन पर्यन्त राष्ट्र के प्रति समर्पित रही इन्दिरा गांधी ने कभी अपनी जान की परवाह नही की। उनके जीवन का आखिरी सम्बोधन भी यही रहा कि मेरे खून का एक एक कतरा देश के लिए काम आए और सच में उन्होने अपने शरीर का एक एक कतरा देश पर न्योछावर करके दिखाया।

कडी मेहनत,पक्का इरादा,दूरदृष्टि जैसे जीवन सूत्र दुनिया को देने वाली इन्दिरा गांधी ने बीस सूत्री कार्यक्रम देश मे लागू कर गांव स्तर पर विकास का रास्ता तैयार किया। वे चाहती थी कि सबसे पहले गांव खुशहाल हो तो देश अपने आप खुशहाल हो जाएगा। उनकी सुदृड विदेश नीति की बदोलत भारत ने दुनियाभर के देशों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। वही देश के अन्दर समाज के आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए इन्दिरा गांधी हमेशा बेचैन रहती थी।गजब की फूर्तिली व देश तथा समाज के लिए हमेशा अच्छा सोचने वाली इन्दिरा गांधी ने दुनिया भर में भारत को नई पहचान देने का काम किया। उन्होने अपने रहते कभी तिरंगें को झुकने नही दिया और भारत का लौहा दुनिया भर में मनवाया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के शब्दों में इन्दिरा गांधी देश के गरीबों की मसीहा थी, जिन्होने जीवन पर्यन्त ग्राम स्तर के विकास कार्यक्रम चलाकर गरीबो को खुशहाल बनाकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की कौशिश की। उन्ही के द्वारा शुरू किये गए विकास कार्यक्रम आज भी गरीबोत्थान का आधार बने हुए है। जो हमेशा हमे इन्दिरा जी की याद दिलाते रहेगें।उनकी अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर उनकी विशेष पकड होती थी। साधारण से साधारण कार्यकर्ता को नाम लेकर बुलाना और उन पर विश्वास करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा हुआ करता था। निर्णय लेने की जो क्षमता इन्दिरा गांधी में थी वह क्षमता आज किसी भी दूसरे नेता में देखने को नही मिलती।पाकिस्तान को धुल चटाकर बंगलादेश को जन्म देने वाली इन्दिरा गांधी के दुनियाभर के देश इस कदर कायल थे कि उन्हे 165 देशो के संगठन का अध्यक्ष तक बना दिया था। भारत में ऐसा सम्मान आज तक कोई दूसरा नेता प्राप्त नही कर पाया है। इन्दिरा जी का लोहा उनके विरोधी भी मानते थे।आपात काल के मजबूरीवश लिए गए निर्णय से हुए नुकसान को दरकिनार कर दे तो इन्दिरा हमेंशा अपने लिए गए निर्णयों से फायदे में ही रही। सच यह भी है कि जो विकास प्रथम प्रधानमन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और इन्दिरा गांधी के जमाने में हुआए उतने विकास की कल्पना फिर कभी साकार नही हुई। कांग्रेस शासन काल में जब जब भी सत्ता की बागडोर नेहरू परिवार के बजाए किसी ओर के हाथों में आई तब तब ही कांग्रेस को विवादो मे धिसटना पडा। हांलाकि प्रधानमन्त्री के रूप में मनमोहन सिहं एक सफल प्रधानमन्त्री रहे है ,लेकिन उन्हे अपने कई सहयोगी मन्त्रियो के भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने के कारण उन्हें परेशानी भी झेलनी पडी थी। वह तो कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी की सुझ बूझ से भ्रष्टो के प्रति कोई रियायत न बरतकर एक सही संकेत देने की कौशिश की गई थी,वरना हालात और भी खराब हो जाते ।ऐसे में इन्दिरा गांधी याद आती है जिन्होने हमेशा सही वक्त पर सही निर्णय लेकर कांग्रेस को जिन्दा रखा और देश को भी नई सोच दी। उन्होने देश के लिए अपने खून का एक एक कतरा बहाकर यह साबित कर दिया था कि उनकी कथनी और करनी एक समान थी।इन्दिरा गांधी देश की सीमाओं के प्रति और अपने बहादुर सैनिको के हितो के प्रति हमेशा संवेदनशील रही। देश का विकास कैसे हो यह उनकी पहली सोच हुआ करती थी। साथ अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान करना उन्हे बखूबी आता था। कांग्रेस के सत्ता में होते हुए वे कभी अपने कार्यकर्ताओं को सत्ता से जोडना नही भूलती थी। भले ही संजय गांधी की इन्दिरा गांधी के प्रधानमन्त्री पद पर रहते हुए खूब चली हो, परन्तु उन्होने कभी भी संजय गांधी को सत्ता में भागीदार नही बनाया। हालाकि संजय गांधी ने देश में परिर्वतन की एक नई कौशिश की थी। जिसमें सीमित परिवार की सोच को, उन्होने आगे बढाने का काम किया परन्तु कई जगह जबरन नसबन्दी की घटनाओं के कारण उन्हे विवादो का सामना करना पडा। बहरहाल इन्दिरा गांधी के प्रधानमन्त्री पद पर रहते हुए जो निर्णय हुए उनसे देश आगे बढा और देश को दुनियाभर में विकासशील देश के रूप में नई पहचान मिली। देश की सीमाओं की रक्षा और बंगलादेश के निर्माण के लिए इन्दिरा गांधी हमेशा याद की जाती रहेगी। वही बैंको का राष्ट्रीयकरण,पाकिस्तान को युद्ध में हराकर उसके धुटने टिकवा देने के लिए भी इन्दिरा गांधी को हमेशा याद किया जाता है।जब इन्दिरा गांधी की नई दिल्ली में उन्ही के अगंरक्षको द्वारा शहादत की गई तो पूरा देश रो पडा था। इन्दिरा गांधी को बताते है आप्रेशन ब्लूस्टार के बाद अपने विरूद्ध रचे गए षडयन्त्र का आभास हो गया था परन्तु फिर भी उन्होने अपने अगंरक्षको पर से भरोसा नही खोया उनकी यही आखिरी भूल उनके लिए शहादत का कारण बन गई।देश के लिए बलिदान हुई इन्दिरा गांधी पर यह नारा आज भी सार्थक है कि जब तक सूरज चांद रहेगा इन्दिरा तेरा नाम रहेगा।तभी तो उनके जन्मदिवस को उनकी यादगार के रूप में मनाया जा रहा है। (लेखक- डॉ श्रीगोपालनारसन /ईएमएस) (लेखक इन्दिरा गांधी द्वारा शुरू किये गए बीस सूत्री कार्यक्रम के उत्तराखण्ड राज्य के सदस्य रह चुके है व वरिष्ठ पत्रकार है)

तेज गति से बढ़ रहा है भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार

भारतीय अर्थव्यवस्था आज लगभग 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था के आकार में विस्तार से उस देश के नागरिकों की आय में वृद्धि दर्ज होती है इससे गरीब वर्ग के हाथों में भी पैसा पहुंचता है इससे, विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़ती है एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं और अंततः गरीब वर्ग की संख्या में कमी होकर देश में मध्यम वर्ग की संख्या बढ़ती है। नीति आयोग के एक प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2015-16 में भारत के शहरी क्षेत्रों में गरीब वर्ग की संख्या 24.85 प्रतिशत थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 14.90 प्रतिशत रह गई है। इसमें 9.95 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी प्रकार वर्ष 2015-16 में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ग़रीब वर्ग की संख्या 32.59 प्रतिशत थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 19.28 प्रतिशत रह गई है। अतः भारत में गरीब वर्ग की संख्या कम हुई है। इसी कारण से वैश्विक रेटिंग संस्थान भारत की रेटिंग को बढ़ाते जा रहे हैं। स्टैंडर्ड एंड पुअर रेटिंग संस्थान ने भारत की विकास दर को वर्ष 2023-24 के लिए 6 प्रतिशत रखा है तो वर्ष 2024-25 के लिए 6.9 प्रतिशत की बात की है। साथ ही इसी संस्थान का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2030 तक 7 लाख 30 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने वाला है। वर्ष 2023 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 26 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के साथ प्रथम स्थान पर है। दूसरे नम्बर पर चीन आता है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 18 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। तीसरे स्थान पर जापान है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 4 लाख 20 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर है। चौथे स्थान पर जर्मनी है जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार भी लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार भारत अपनी बढ़ी हुई लगभग 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की विकास दर के साथ शीघ्र ही जापान एवं जर्मनी को पछाड़ कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। फिच नामक रेटिंग संस्थान ने भी भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर के अपने पूर्व के अनुमान में सुधार करते हुए इसे वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है, पहिले इस वृद्धि दर के 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। मूडीज नामक रेटिंग संस्थान ने भी भारत की विकास दर को वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 6.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की है। भारत तेजी से विकास कर रहा है यह त्यौहारों के दौरान बाजारों में उत्पादों की खरीद के लिए उमड़ रही भीड़ से भी साफ दिखाई दे रहा है।

भारत24 चैनल पर प्रस्तुत एक कार्यक्रम में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (अर्थात कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में कुल उत्पादन) वर्ष 2022-23 में 282.83 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर आ गया है। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद पूरे विश्व में पहिले नम्बर पर है जो 2121.19 लाख करोड़ रुपए का है। इसीलिए अमेरिका पूरी दुनिया का सबसे अमीर एवं ताकतवर देश कहा जाता है। दूसरे नम्बर पर चीन का सकल घरेलू उत्पाद 1497.31 लाख करोड़ रुपए का है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 407.60 लाख करोड़ रुपए का है। जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 341.05 लाख करोड़ रुपए का है। इस दृष्टि से भारत दुनिया का 5वां सबसे बड़ा अमीर देश है। वर्ष 2013-14 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 113.55 लाख करोड़ रुपए का था और वर्ष 2013-14 में भारतीय अर्थव्यवस्था का पूरे विश्व में 10वां नम्बर था। वर्ष 2013-14 में अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद 1459.88 लाख करोड़ रुपए का था। चीन का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2013-14 में 871.77 करोड़ का था। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 2013-14 में 349.37 लाख करोड़ रुपए का था। जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 323.59 लाख करोड़ रुपए का था। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद इस दौरान 50 प्रतिशत, चीन का 80 प्रतिशत, जापान का 30 प्रतिशत, जर्मनी का 5 प्रतिशत बढ़ा है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद 150 प्रतिशत बढ़ा है। इसी गति से भारत आर्थिक प्रगति करता रहा तो निश्चित ही वर्ष 2030 के पूर्व ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

मेक इन इंडिया योजना के अंतर्गत भी बहुत काम होता दिखाई दे रहा है और भारत में निर्मित वस्तुओं का निर्यात लगतार बढ़ रहा है। वर्ष 2022-23 में भारत ने 36 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया है। जबकि वर्ष 2014 में 19.05 लाख करोड़ रुपए का निर्यात हुआ था। यह लगभग दोगुना हो गया है। वर्ष 2023-24 में भारत सरकार ने पूंजीगत व्यय को 10 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा दिया है। इससे रोज़गार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्ष 2014-15 में भारत में 97,000 किलो मीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग थे, जो 9 वर्ष बाद वर्ष 2023-24 में बढ़कर 145,155 किलोमीटर हो गए हैं। इस दौरान लगभग 50,000 किलोमीटर के नए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्मित हुए हैं। अब तो गुणवत्ता के मामले में भारत के राजमार्ग अमेरिका के राजमार्गों से टक्कर लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। बेहतरीन राजमार्ग विकसित देश के लिए जरूरी हैं। अच्छे राजमार्गों से बाजार और रोजगार दोनों बढ़ते हैं।

आज भारत अपने घर में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को भी लगातार बढ़ा रहा है। ''वोकल फोर लोकल'' का नारा अब बुलंद हो रहा है एवं भारतीय नागरिक अब चीन में निर्मित उत्पादों का उपयोग कम करते हुए भारत में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी भी भारतीय नागरिकों को लगातार अपील कर रहे हैं कि भारत में ही उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करें। इसका असर होता दिख भी रहा है। चीन से विभिन्न उत्पादों के आयात में इस त्यौहारी मौसम में कमी आई है और एक अनुमान के अनुसार इस वर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपए के उत्पादों का आयात चीन से कम हुआ है। चीनी दिवाली लाइट्स के आयात में 32 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। वहीं दूसरी ओर भारत में बनी लाइट्स की बिक्री में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इसका सबसे अधिक फायदा गरीब वर्ग को हो रहा है। हम समस्त भारतीय नागरिकों को भी इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि सड़क के एक किनारे बैठकर कुछ वस्तुएं बेचने वाले गरीब व्यक्ति से अधिक मोलभाव ना करते हुए उनसे वस्तुएं खरीदें ताकि यह वर्ग भी अपनी आय को बढ़ा सके। वैसे भी, जब हम लोग माल से वस्तुएं खरीदते हैं तो कोई माल भाव थोड़ी करते हैं।

सकल घरेलू उत्पाद जब बढ़ता है तो लोगों की आय भी बढ़ती है। जब लोगों की आय बढ़ती है तो लोग बाजार में सामान खरीदते हैं। इससे बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ती है। उत्पादों की मांग एवं आपूर्ति से उत्पादों की बाजार कीमतें तय होती है। जब किसी भी उत्पाद की मांग तुलनात्मक रूप से अधिक तेजी से बढ़ती है और उस उत्पाद की आपूर्ति बाजार में समय पर नहीं हो पाती है तो उस उत्पाद की बाजार में कीमतें बढ़ने लगती है। जब खर्च करने की क्षमता बढ़ती है तो आप सामान के दाम अधिक देने को भी तैयार रहते हैं। भारत में न केवल आर्थिक विकास में गति आ रही है बल्कि मुद्रा स्थिति भी नियंत्रण में है। यह केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से किए जा रहे उपायों के चलते सम्भव हो पा रहा है। भारत की वित्तीय नीतियां महंगाई को रोकने के साथ साथ विकास को भी बढ़ावा दे रही हैं। खाने पीने की वस्तुओं की बाजार कीमतों में कमी होने से अक्टोबर 2023 माह में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट आई है और यह चार महीने के निचले स्तर 4.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति की दर सितंबर 2023 माह में पिछले तीन माह के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत पर थी।

भारत में आम आदमी का सबसे अधिक खर्च खाने पीने और स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बजट में स्वास्थ्य सेवाओं पर 89 000 करोड़ रुपए के व्यय का प्रावधान किया गया है। डॉक्टरों की संख्या में 4 लाख से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत में आज 13 लाख से अधिक एलोपेथिक डॉक्टर हैं। इसके अतिरिक्त, 5.65 लाख आयुर्वेदिक डॉक्टर भी उपलब्ध हैं। इस प्रकार भारत में प्रत्येक 834 नागरिकों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है। गरीब नागरिकों को मुफ्त इलाज प्रदान करने के लिए आयुषमान स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए गए हैं। इसी प्रकार किसानों के लिए मोदी सरकार ने प्रति क्विंटल गेहूं पर 775 रुपए से, चावल पर 730 रुपए से न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। वर्ष 2012-13 में भारत के किसानों की औसत मासिक आय 6,426 रुपए पाई गई थी जो वर्ष 2018-19 में बढ़कर 10,248 रुपए हो गई है। यूएनडीपी के एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि भारत में मिडल क्लास अर्थात मध्यम वर्ग की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वैश्विक स्तर पर मिडल क्लास की बढ़ रही संख्या में भारत का योगदान 24 प्रतिशत का है। विश्व के कई वित्तीय संस्थानों का मत है कि वर्ष 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसका मतलब यह भी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय में और अधिक तेज गति से वृद्धि की सम्भावना है। साथ ही, भारत आज प्रत्येक क्षेत्र में आत्म निर्भर भी बन रहा है। (लेखक- प्रहलाद सबनानी /ईएमएस) (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक के)

शब्द पहेली - 7831

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर,कृपाण-4
4. उपद्रवी,आतंकी-4
6. अनुबंध,संधि-3
8. धोखा,छल,मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा,कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा,विशाल-3
4. अपनत्व,अपनापा-5
5. अनबन,झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात,सहसा-4
14. दृष्टि,निगाह-3
17. बेमिसाल,अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -7830 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज विश्वकप के फाइनल में कोहली से एक ओर दमदार पारी के इंतजार में प्रंशसक

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन इस मैंच में एक कहानी तब सामने आई जब विराट कोहली ने अपना 50वां शतक जड़कर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक वनडे शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कोहली ने अपना पहला वनडे शतक 2009 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता में बनाया था। उस समय बहुतों ने यह अनुमान नहीं लगाया था कि कोहली इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेल सकते है। 2012 में कोहली भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में महत्वपूर्ण दल बन गए थे, लेकिन मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड को पार करना अभी भी एक कठिन काम था, लेकिन तेंदुलकर को पता था कि अगर कोई उनके रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकता है, तब वह कोहली या रोहित शर्मा ही हो सकते हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने 11 साल पहले भविष्यवाणी की थी कि कोहली भविष्य में उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। और जब बुधवार को कोहली ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा, तब वह वानखेड़े में तेंदुलकर को सम्मान देने के लिए झुक गए जहां मास्टर ब्लास्टर ने अपने शुरुआती वर्षों के दौरान क्रिकेट खेला था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिकॉर्ड तोड़े नहीं बल्कि इतिहास फिर से लिखा क्योंकि दोनों रिकॉर्ड एक भारतीय खिलाड़ी के ही नाम थे। इस सनसनीखेज प्रयास के बाद तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें इससे ज्यादा खुशी नहीं हो सकती कि एक भारतीय खिलाड़ी ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा और वह भी सबसे बड़े मंच पर। तेंदुलकर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि वह युवा लड़का विराट खिलाड़ी बन गया है। मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता कि एक भारतीय ने मेरा रिकॉर्ड तोड़ा।

2008 में पदार्पण करने से लेकर 2022 में कप्तानी से हटाए जाने तक कोहली की यात्रा चुनौतियों से रहित नहीं थी। फिर भी, प्रत्येक झटके के साथ कोहली पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरे और कई मौकों पर भारत को जीत दिलाई जब परिस्थितियां मेन इन ब्लू के खिलाफ थीं। चाहे वह पाकिस्तान के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप में उनकी आक्रामक पारी हो या मौजूदा विश्व कप टूर्नामेंट के लीग मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी मैच बचाने वाली 104 गेंदों में 95 रन की पारी हो, कोहली ने टीम को तब आगे बढ़ाया है जब इसकी बहुत जरूरत थी। लक्ष्य का पीछा करने की कला के लिए जाने जाने वाले कोहली ने दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 27 शतक बनाए हैं। उनके 50 एकदिवसीय शतकों में से 42 शतक विजयी रहे हैं, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे वह भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में मुख्य आधार रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ वह 51 पारियों में 10 शतक बनाकर एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने 41 पारियों में 9 शतकों के साथ जबकि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने उन्हें 46 और 31 पारियों में क्रमशः 8 और 6 शतकों के साथ देखा। 2018 में, कोहली जबरदस्त फॉर्म में थे और उन्होंने केवल 14 पारियों में 6 शतक बनाए। 2019 में उनकी असाधारण रन-स्कोरिंग जारी रही, उन्होंने 25 पारियों में 5 शतक बनाए। उनके करियर के शुरुआती वर्षों में 2012 (17 पारियों में 5 शतक), 2013 (30 पारियों में 4 शतक) और 2014 (20 पारियों में 4 शतक) में उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ लगातार वृद्धि देखी गई। 2011 में उन्होंने 34 पारियों में 4 शतक लगाकर अपना दमखम दिखाया। वर्ष 2023 में एक बार फिर कोहली का उदय हुआ है, इस बल्लेबाज ने 23 पारियों में 6 शतक लगाए हैं जिससे भारत को मौजूदा आईसीसी वनडे विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन पर भरोसा है। चूंकि यह (2023 संस्करण) उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप रहा है, क्या कोहली अपना 51वां शतक बना पाएंगे?

आज विश्वकप के फाइनल में कोहली से एक ओर दामदार पारी के इंतजार में प्रंशसक

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन इस मैंच में एक कहानी तब सामने आई जब विराट कोहली ने अपना 50वां शतक जड़कर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक वनडे शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कोहली ने अपना पहला वनडे शतक 2009 में श्रीलंका के खिलाफ कोलकाता में बनाया था। उस समय बहुतों ने यह अनुमान नहीं लगाया था कि कोहली इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेल सकते है। 2012 में कोहली भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में महत्वपूर्ण दल बन गए थे, लेकिन मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड को पार करना अभी भी एक कठिन काम था, लेकिन तेंदुलकर को पता था कि अगर कोई उनके रिकॉर्ड के करीब पहुंच सकता है, तब वह कोहली या रोहित शर्मा ही हो सकते हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने 11 साल पहले भविष्यवाणी की थी कि कोहली भविष्य में उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। और जब बुधवार को कोहली ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा, तब वह वानखेड़े में तेंदुलकर को सम्मान देने के लिए झुक गए जहां मास्टर ब्लास्टर ने अपने शुरुआती वर्षों के दौरान क्रिकेट खेला था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिकॉर्ड तोड़े नहीं बल्कि इतिहास फिर से लिखा क्योंकि दोनों रिकॉर्ड एक भारतीय खिलाड़ी के ही नाम थे। इस सनसनीखेज प्रयास के बाद तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें इससे ज्यादा खुशी नहीं हो सकती कि एक भारतीय खिलाड़ी ने उनका रिकॉर्ड तोड़ा और वह भी सबसे बड़े मंच पर। तेंदुलकर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि वह युवा लड़का विराट खिलाड़ी बन गया है। मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता कि एक भारतीय ने मेरा रिकॉर्ड तोड़ा।

2008 में पदार्पण करने से लेकर 2022 में कप्तानी से हटाए जाने तक कोहली की यात्रा चुनौतियों से रहित नहीं थी। फिर भी, प्रत्येक झटके के साथ कोहली पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरे और कई मौकों पर भारत को जीत दिलाई जब परिस्थितियां मेन इन ब्लू के खिलाफ थीं। चाहे वह पाकिस्तान के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप में उनकी आक्रामक पारी हो या मौजूदा विश्व कप टूर्नामेंट के लीग मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी मैच बचाने वाली 104 गेंदों में 95 रन की पारी हो, कोहली ने टीम को तब आगे बढ़ाया है जब इसकी बहुत जरूरत थी। लक्ष्य का पीछा करने की कला के लिए जाने जाने वाले कोहली ने दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 27 शतक बनाए हैं। उनके 50 एकदिवसीय शतकों में से 42 शतक विजयी रहे हैं, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे वह भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में मुख्य आधार रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ वह 51 पारियों में 10 शतक बनाकर एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने 41 पारियों में 9 शतकों के साथ जबकि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने उन्हें 46 और 31 पारियों में क्रमशः 8 और 6 शतकों के साथ देखा। 2018 में, कोहली जबरदस्त फॉर्म में थे और उन्होंने केवल 14 पारियों में 6 शतक बनाए। 2019 में उनकी असाधारण रन-स्कोरिंग जारी रही, उन्होंने 25 पारियों में 5 शतक बनाए। उनके करियर के शुरुआती वर्षों में 2012 (17 पारियों में 5 शतक), 2013 (30 पारियों में 4 शतक) और 2014 (20 पारियों में 4 शतक) में उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ लगातार वृद्धि देखी गई। 2011 में उन्होंने 34 पारियों में 4 शतक लगाकर अपना दमखम दिखाया। वर्ष 2023 में एक बार फिर कोहली का उदय हुआ है, इस बल्लेबाज ने 23 पारियों में 6 शतक लगाए हैं जिससे भारत को मौजूदा आईसीसी वनडे विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन पर भरोसा है। चूंकि यह (2023 संस्करण) उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप रहा है, क्या कोहली अपना 51वां शतक बना पाएंगे?

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई (ईएमएस)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 46.2 करोड़ डॉलर कम होकर 590.32 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 4.67 अरब डॉलर बढ़कर 590.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का जरुरी हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 522 अरब डॉलर से अधिक हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 60.8 करोड़ डॉलर घटकर 45.51 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.01 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 30 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर हो गया।

आरबीआई के नियमों में सख्ती से पांच फीसदी तक टूटे फाइनैंस स्टॉक्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंकों और वित्तीय संस्थानों को बिना गिरवी दिए गए ऋण के लिए ज्यादा पूंजी अलग रखने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देश के बाद वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई। इससे बेंचमार्क सूचकांक भी गिरावट पर बंद हुए। मगर इस गिरावट के बावजूद इस हफ्ते शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। यह लगातार तीसरा हफ्ता है जब बेंचमार्क सूचकांक लाभ में रहे हैं। आरबीआई ने कल एक परिपत्र जारी कर उपभोक्ता ऋण के लिए जोखिम भार बढ़ा दिया था। इससे पहले अक्टूबर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कोई भी संपत्ति गिरवी रखे बगैर लिए जा रहे ऋणों में तेज वृद्धि पर बैंकों को आगाह किया था और जोखिम रणनीति पर सर्तकता बरतने का निर्देश दिया था। इसी के मद्देनजर आरबीआई ने यह कदम उठाया है। विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई के इस कदम से ऋण में इजाफे की रफ्तार धीमी होगी और ऋण की लागत तथा पूंजी पर्याप्तता की जरूरतें बढ़ जाएंगी। नोमुरा ने अपने नोट में कहा है कि आरबीआई के निर्णय से वित्त वर्ष 2025 में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की ऋण वृद्धि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। वित्त वर्ष 2022 से वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही तक असुरक्षित यानी बिना गिरवी के ऋण में 25 से 30 फीसदी के बीच इजाफा हुआ है। किंतु कुछ बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई के निर्णय से बैंकों पर मामूली असर पड़ेगा।

नियम सख्त करने से बैंकों को 84,000 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी की जरूरतः अर्थशास्त्री

- संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के असुरक्षित माने जाने वाले कर्ज के लिये नियम सख्त करते हुए जोखिम भार बढ़ाये जाने से बैंकों को 84,000 करोड़ रुपये की पूंजी की जरूरत होगी। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही है। रिजर्व बैंक ने हाल ही में बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिये असुरक्षित माने जाने वाले व्यक्तिगत कर्ज, क्रेडिट कार्ड जैसे कर्ज से जुड़े नियम सख्त बना ?दिए हैं। संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई। अर्थशास्त्रियों ने रिपोर्ट में यह भी कहा कि चूंकि प्रमुख नीतिगत दर रेपो उच्चस्तर पर पहुंच चुकी है, ऐसे में आरबीआई वृद्धि और मुद्रास्फीति को लेकर तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये नकदी प्रबंधन और सूझबूझ वाले वृहद आर्थिक उपायों का सहारा ले रहा है। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने कहा ?कि बढ़े हुए जोखिम भार का तत्काल प्रभाव यह होगा कि बैंकों को अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होगी। हमारा अनुमान है कि बैंक उद्योग को इससे 84,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजी की जरूरत होगी। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जोखिम भार बढ़ाने के निर्णय के जरिये संभवतः आरबीआई ने एक मजबूत संदेश दिया है। इसके जरिये उसने संदेश दिया है कि वह किसी भी शुरुआती वित्तीय स्थिरता को लेकर जोखिम से निपटने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरबीआई ने जो फैसला ?लिया है, वह बैंकों और एनबीएफसी में संपत्ति के मोर्चे पर दबाव और उससे नुकसान की पहचान की दिशा में उठाये जा रहे कदमों के अनुरूप है।

अगर बारिश हुई तो अगले दिन होगा वर्ल्ड कप फाइनल

-मौसम बिलकुल साफ रहेगा, फिर भी आईसीसी ने रखा एक रिजर्व डे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के दौरान मौसम ?बिलकुल साफ रहेगा। इस?लिए फाइनल को लेकर अगर फैंस मौसम की वजह से चिंतित हैं तो जरा भी फिक्र करने की जरूरत नहीं है। हालां?कि आईसीसी ने वर्ल्ड कप फाइनल के लिए मैच में एक रिजर्व डे रखा है। अगर पहले दिन मैच पूरा नहीं कराया जा सका तो इसे दूसरे दिन खेला जा सकता है। फाइनल मैच में ओवर की कटौती की परेशानी नहीं आती है। जहां पर पहले दिन मैच रोका जाता है दूसरे दिन उसे वहीं से दोबारा शुरू किया जाता है। अगर बारिश की वजह से पहले और दूसरे दोनों ही दिन का खेल खराब हो जाए तो लीग स्टेज में जिस टीम ने अंक तालिका में बेहतर स्थान हासिल किया हो उसे विजेता घोषित किया जाता है।

इधर मौसम विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार मैच के दौरान आसमान पूरी तरह से साफ रहने वाला है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री तक रहने वाला है। बारिश की वजह से मैच में खलल पड़ने की कोई आशंका नहीं है। गौरतलब है ?कि आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। टीम इंडिया ने इस बार के विश्व कप में गजब का खेल दिखाया है। अब तक अजेय रहते हुए ट्रॉफी की तरफ आखिरी कदम बढ़ाया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम को दो लगातार हार के बाद सारे मुकाबले में जीत मिली है। 20 साल के बाद दोनों टीमें विश्व कप फाइनल में खेलने उतरेंगी।

फिनलैंड ने रूसी सीमा पर 4 क्रॉसिंग प्वॉइंट बंद किए

हेलसिंकी (ईएमएस)। फिनलैंड सरकार ने शरण चाहने वालों की वृद्धि को रोकने के प्रयास में रूस के साथ लगाने वाली सीमा पर चार क्रॉसिंग प्वॉइंट को बंद करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, फिनिश बॉर्डर गार्ड के अनुसार, इस सप्ताह लगभग 300 शरण चाहने वाले देश में पहुंचे। सिर्फ शुक्रवार को 100 आगमन हुए। हेलसिंकी द्वारा मॉस्को पर नॉर्डिक राष्ट्र के नाटो में शामिल होने के प्रतिशोध में प्रवासियों को क्रॉसिंग पर भेजने का आरोप लगाने के बाद दक्षिण-पूर्व फिनलैंड में वलीमा, नुइजामा, इमात्रा और नीराला सीमा चौकियों को बंद कर दिया गया।

फिनिश बॉर्डर गार्ड ने कहा कि सीरिया, यमन और इराक सहित देशों के नागरिकों द्वारा अवैध सीमा पार करने में वृद्धि देखने के बाद चार क्रॉसिंग पर अवरोध लगाए जाएंगे। चार सीमा क्रॉसिंगों को बंद करने की पुष्टि करते हुए, प्रधान मंत्री पेटेरी ओर्पो ने बताया कि फिनलैंड के सुदूर उत्तर में सल्ला और वर्टियस के बिंदु शरण आवेदनों के लिए खुले रहेंगे। उन्होंने रूस पर जानबूझकर बिना उचित दस्तावेजों के लोगों को सीमा तक पहुंचने में मदद करने का भी आरोप लगाया। उधर फिनलैंड के फैसले पर प्रतिक्रिया देकर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि फिनिश अधिकारियों ने द्विपक्षीय संबंधों को नष्ट करने का रास्ता अपनाया है, फिनलैंड की रूस के साथ 1,340 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो यूरोप की सबसे लंबी सीमा है।

न्यू हैम्पशायर में अस्पताल में गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत

वाशिंगटन (ईएमएस)। न्यू हैम्पशायर अस्पताल के गलियारे में एक बंदूकधारी ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी और इसके बाद पुलिस ने बंदूकधारी को ढेर कर दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारी ने जिस व्यक्ति को अस्पताल में गोली मारी थी। शख्स को 'कॉनकॉर्ड हॉस्पिटल' ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी की घटना अस्पताल के आगे के गलियारे तक सीमित रही और सभी मरीज सुरक्षित हैं।

घटना में पुलिसकर्मी सुरक्षित है, फिलहाल गोलीबारी के कारणों के बारे में जानकारी नहीं मिली है। न्यू हैम्पशायर अस्पताल' लगभग 185 बिस्तरों वाला अस्पताल है और यह मनोरोग से पीड़ित व्यस्कों के लिए एकमात्र सरकारी अस्पताल है। यह अस्पताल 'कॉनकॉर्ड हाई स्कूल' के पास स्थित है।

डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य एनी कस्टर ने गोलीबारी की घटना को ''भयावह'' करार दिया और जनता से तब अस्पताल से दूर रहने को कहा जब पुलिस वहां कार्रवाई कर रही थी। उन्होंने कहा, ''त्वरित कार्रवाई करने के लिए पुलिस अधिकारियों का आभार। मृतक के परिजन के प्रति संवेदना...।

अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चला सकता है इस्राइल

- संयुक्त राष्ट्र में इस्राइली राजनयिक गिलाड एरदान ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों पर पदों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

वाशिंगटन (ईएमएस)। हमास के खात्मे और ऑपरेशन पूरा होने के बाद इस्राइल अरब देशों के साथ मिलकर गाजा के भविष्य पर बात करेगा। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइली राजनयिक गिलाड एरदान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गाजा में मिलकर अरब देशों से इस संबंध में अभी इस्राइल ने बात शुरू नहीं की है लेकिन जल्द ही अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चलाना संभव होगा।

गिलाड ने कहा मुझे विश्वास है कि कई अरब देश ये जानते हैं कि हमास जितना हमारा दुश्मन है, उतना ही वह कई नरमपंथी मुस्लिम देशों का भी दुश्मन है। गिलाड ने ये भी कहा कि इस्राइल गाजा में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बलों की तैनाती को स्वीकार नहीं करेगा। गिलाड ने इस्राइल हमास युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र के बयान की तीखी आलोचना करते हुए गाजा के मौजूदा संकट का ठीकरा संयुक्त राष्ट्र पर फोड़ा। गिलाड ने कहा कि हमास द्वारा गाजा पट्टी को युद्ध की मशीन में बदलने में संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका है।

गिलाड ने कहा कि मौजूदा युद्ध को जीतने के बाद इस्राइल, संयुक्त राष्ट्र के साथ अपने संबंधों पर गंभीरता से विचार करेगा। गिलाड ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ अधिकारियों ने अपने पदों का गलत दुरुपयोग किया । संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की नाक के नीचे 16 साल तक हमास अपनी गतिविधियां चलाता रहा। अंतरराष्ट्रीय दबाव को लेकर गिलाड ने साफ किया कि जब तक इस्राइल हमास का खात्मा नहीं कर देता तब तक नहीं रुकेगा। गिलाड ने हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका राष्ट्रपति के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

लाहौर की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब रही

लाहौर (ईएमएस)। भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान की हवा भी बेहद जहरीली हो गई है। दिल्ली हो या लाहौर, यहां का प्रदूषण बेहद समान है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार (16 नवंबर) को पूरे दिन लाहौर अस्वास्थ्यकर वायु गुणवत्ता स्तर के साथ वैश्विक प्रदूषण रैंकिंग में टॉप पर रहा। पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर स्मॉग संकट से जूझ रहा है। लाखों लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका इससे प्रभावित हो सकती है।

स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी के अनुसार, लाहौर की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक 470 पर रहा, इसके बाद दिल्ली में 302 और कराची में 204 पर पहुंचा।

अखबार के अनुसार, वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण और फसल जलाने के कारण होने वाला धुआं खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। सबसे हानिकारक कण पीएम 2.5 की सांद्रता डब्ल्यूएचओ की वार्षिक वायु गुणवत्ता दिशानिर्देश मूल्य से 15 गुना से अधिक है।

धुंध के कारण शहर में दृश्यता कम हुई और उड़ान संचालन बाधित हो गया है। लाहौर के कई निवासियों ने जहरीली हवा के कारण सांस समस्याओं, आंखों में संक्रमण और त्वचा रोगों की शिकायत की है। कुछ लोगों ने धुंध से बचने के लिए शहर भी छोड़ दिया है।

हर साल बनती है स्मॉग की समस्या

लाहौर और पंजाब में स्मॉग का संकट कोई नई बात नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, यह हर साल अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में होता है। पाकिस्तान दुनिया का तीसरा सबसे प्रदूषित देश है और लाहौर सबसे प्रदूषित शहर है।

यूपी में हलाल सर्टिफिकेट के कारोबार पर चलेगा सीएम योगी का चाबुक

लखनऊ (ईएमएस)। बिना किसी अधिकार के खान-पान व सौंदर्य प्रसाधन के उत्पादों को अवैध ढंग से हलाल सर्टिफिकेट देने के काले कारोबार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चाबुक चलने वाला है। दरअसल मजहब की आड़ लेकर एक धर्म विशेष को बरगलाने और अन्य धर्मों के बीच विद्वेष भड़काने की नापाक कोशिश का योगी ने संज्ञान लेकर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आशंका है कि कूटरचित दस्तावेजों का सहारा लेकर हलाल सर्टिफिकेट के नाम पर इकट्ठा हो रही अवैध कमाई से आतंकवादी संगठनों व राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की फन्डिंग की जा रही है। वहीं अब लखनऊ कमिश्नरेट में एफआईआर भी दर्ज की गई है।

एफआईआर के मुताबिक हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई, जमीयत उलेमा हिन्द हलाल ट्रस्ट दिल्ली, हलाल काउंसिल ऑफ इंडिया मुंबई, जमीयत उलेमा महाराष्ट्र मुंबई आदि द्वारा एक धर्म विशेष के ग्राहकों को मजहब के नाम से कुछ उत्पादों पर हलाल प्रमाणपत्र प्रदान कर उनकी ब्रिकी बढ़ाने के लिए आर्थिक लाभ लेकर अवैध कारोबार चल रहा है। इन कंपनियों के पास किसी उत्पाद को प्रमाण पत्र देने का कोई अधिकार नहीं है। यह कम्पनियों द्वारा कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार कर आर्थिक लाभ लेकर विभिन्न कंपनियों को हलाल प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने बड़ी साजिश की आशंका जताकर कहा है कि जिन कम्पनियों ने ऐसा हलाल प्रमाण पत्र इनसे नहीं प्राप्त किया है, उनके उत्पादन की बिक्री को घटाने का प्रयास भी किया जा रहा है, जो कि आपराधिक कृत्य है। आशंका है कि इस अनुचित लाभ को समाज विरोधी/राष्ट्र विरोधी तत्वों को पहुंचाया जा रहा है। खास बात यह कि शाकाहारी उत्पादों जैसे तेल, साबुन, टूथपेस्ट, मधु आदि की बिक्री के लिए भी हलाल प्रमाण पत्र दिया जा रहा है, जबकि शाकाहारी वस्तुओं पर इसतरह के किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होती है। जाहिर है कि एक समुदाय विशेष एवं उनके उत्पादों के विरुद्ध आपराधिक षडयन्त्र किया जा रहा है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मजहब की आड़ लेकर एक वर्ग विशेष में अनर्गल प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है कि इसतरह के उत्पाद का प्रयोग न करें जिसे इनकी कम्पनी द्वारा हलाल प्रमाणपत्र न दिया गया हो। परिणाम स्वरुप दूसरे समुदाय विशेष व्यावसायिक हितों का नुकसान हो रहा है। इस प्रकार आम नागरिकों के लिये उपयोग होने वाली वस्तुओं पर भी हलाल प्रमाण पत्र जारी कर अनुचित आर्थिक लाभ कमाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंथली न्यूजलेटर लॉन्च किया

कोर्ट के कामकाज की झलक और अचीवमेंट दिखाई जाएंगीं

कोर्ट के इतिहास की झलक और कई कहानियां मिलेंगीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने कामकाज के तरीकों, मौजूदा सुनवाईयों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए मंथली न्यूजलेटर लॉन्च किया है। इसे 'सुप्रीम कोर्ट क्रॉनिकल' नाम दिया गया है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मुझे यकीन है कि यह न्यूजलेटर सुप्रीम कोर्ट के काम करने के तरीकों की जानकारी देने वाला अहम सोर्स बनेगा। इसके जरिए कोर्टरूम के अंदर और बाहर की सभी जानकारियां लोगों को मिल सकेंगीं। इस न्यूजलेटर के पहले संस्करण के प्रकाशन से पहले सीजेआई ने जानकारी दी कि इस न्यूजलेटर में कोर्ट के इतिहास की झलक, देश के कानूनी परिदृश्य को परिभाषित करने वाले प्रमुख फैसलों और न्यायपालिका की शपथ को बनाए रखने के लिए दिन-रात काम करने वाले बेहतरीन लोगों की कहानियां मिलेंगीं।

कोर्ट के लिए पारदर्शिता का नया दौर शुरू हो रहा

सीजेआई बोले कि मुझे उम्मीद है कि इस न्यूजलेटर से न्याय देने की प्रक्रिया पर रोशनी डाली जा सकेगी। साथ ही लोगों को ये भी पता चलेगा कि कोर्ट के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए लगातार कितनी कोशिशें की जा रही हैं। इसके साथ ही कोर्ट के लिए पारदर्शिता, जुड़ाव और बेहतरी का एक नया दौरा शुरू हो रहा है।

टोरंटो के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग खेप बरामद, 7 गिरफ्तार

टोरंटो (ईएमएस)। कनाडा की टोरंटो पुलिस ने इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं की खेप बरामद की है। टोरंटो पुलिस का कहना है कि जीटीए में सक्रिय नशीली दवाओं की तस्करी नेटवर्क की जांच के परिणामस्वरूप 7 गिरफ्तारियां हुई हैं। मामले में कई पंजाबी भी फंसने की आशंका है।

पुलिस ने कहा कि प्रोजेक्ट फिनिटो के तहत 3.5 महीने की जांच के दौरान 551 किलोग्राम कोकीन और 441 किलोग्राम क्रिस्टल मेथमफेटामाइन जब्त हुआ है। टोरंटो पुलिस ने कहा कि दवाओं की अनुमानित सड़क कीमत 90 मिलियन डॉलर है। जांच के दौरान जब्त की गई अन्य वस्तुओं में एक बन्दूक, एक वाहन और कनाडाई मुद्रा में लगभग 95,000 शामिल हैं। यह दवा मुख्य रूप से अमेरिका से कनाडा में आई है।

उन्होंने कहा कि मामले के संबंध में गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध जीटीए के निवासी हैं और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क में काम कर रहे हैं। इस मामले के संबंध में अजाक्स के दो लोगों, 20 वर्षीय कैमरून लॉन्गामोर और 25 वर्षीय जुबायुल हक पर आरोप लगाया गया है। लॉन्गामोर को तस्करी के दो मामलों का सामना करना पड़ सकता है। हॉक पर तस्करी के उद्देश्य से 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय को कब्जे में लेने का आरोप लगाया गया है। उस पर अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने, भरी हुई प्रतिबंधित या प्रतिबंधित बंदूक रखने का एक मामला और मोटर वाहन में अवैध हथियार रखने का एक मामला दर्ज किया गया है।

एटोबिकोक निवासी 37 वर्षीय ब्रायन शेरिट और 30 वर्षीय अबुबकर मुहम्मद पर दुष्कर्म के इरादे और साजिश के साथ तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। मुहम्मद पर 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय रखने का भी आरोप है। मिसिसॉगा के 25 वर्षीय तेनजिन पाल्डेन पर तस्करी और साजिश रचने और अभियोग योग्य अपराध करने के इरादे का आरोप लगाया गया है। मामले में टोरंटो के दो लोगों, बशीर हसन आब्दी (34) और लूचो लोडर (43) को गिरफ्तार किया गया था।

आब्दी पर शेडयूल 1 पदार्थ की तस्करी का एक मामला, तस्करी के उद्देश्य से कब्जे के दो मामले और 5,000 डॉलर से कम के अपराध की आय पर कब्जा करने का आरोप है। लॉडर पर शेडयूल 1 पदार्थ की तस्करी, तस्करी के उद्देश्य से कब्ज़ा, दुष्कर्म की साजिश, ऽ5,000 और ऽ5,000 से अधिक अपराध की आय पर कब्ज़ा करने का आरोप लगाया गया है। वॉट्स ने कहा कि दो संदिग्ध हिरासत में हैं जबकि अन्य पांच को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

दक्षिणी फिलीपीन में भूकंप के जोरदार झटके, इमारतों की छतें गिरीं

वाशिंगटन (ईएमएस)। दक्षिणी फिलीपीन में शक्तिशाली भूकंप के कारण कुछ इमारतों की छतें गिर गईं। भूकंप के कारण किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है और सुनामी की कोई चेतावनी नहीं दी गई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि 6.7 तीव्रता का भूकंप फिलीपीन के दक्षिणी सिरे पर बुरियास से 26 किलोमीटर (16 मील) दूरी पर आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र 78 किलोमीटर (48 मील) गहराई में था।

सोशल मीडिया पर आई वीडियो में दो बड़े मॉल की छतें गिरती एवं खंभे हिलते दिखाई दे रहे हैं और लोग डर के कारण चिल्ला रहे हैं। इस दौरान किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

प्रशांत' रिंग ऑफ फायर' पर स्थित होने के कारण फिलीपीन में अकसर भूकंप आते हैं और ज्वालामुखी विस्फोट होता है। 'रिंग ऑफ फायर' धनुष के आकार की वह रेखा है जो प्रशांत महासागर के उस हिस्से में हैं जहां सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

पुतिन के एक दर्जन से अधिक विरोधियों की मौत,बेड पर मिली पूर्व जनरल और उनकी पत्नी की लाश

मॉस्को(ईएमएस)। रुस के राष्ट्रपतित ब्लामिर पुतिन के विरोधियों की एक-एक कर रहस्यमय तरीके से मौत हो रही है। अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देखने में आ रहा है कि यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के बीच पुतिन के फैसलों को लेकर आए दिन आलोचना हो रही है। हालांकि एक दिलचस्प बात यह है कि पुतिन का जिसने भी विरोध किया उनमें से कई लोगों की रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई। इसी कड़ी में एक नया नाम जुड़ गया है पूर्व रूसी जनरल व्लादिमीर स्विरिडोव का, जिनकी हाल ही में उनकी पत्नी के साथ बेड पर लाश मिली है। एयर फोर्स की ट्रेनिंग को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की आलोचना करने वाले पूर्व रूसी जनरल व्लादिमीर स्विरिडोव संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए हैं।

अमेरिका से आ रहीं खबरों के मुताबिक 68 वर्षीय स्विरिडोव का शव बुधवार को एक अज्ञात महिला के साथ मिला था। हालांकि बाद में बताया गया मृतक महिला स्विरिडोव की पत्नी थी।पति-पत्नी की लाश उनके एंडजिएव्स्की गांव स्थित घर में बिस्तर पर एक साथ मिली। स्विरिडोव ने रूस की छठी वायु सेना और वायु रक्षा बल सेना की कमान संभाली थी। साल 2007 में स्विरिडोव ने एक इंटरव्यू में पुतिन की आलोचना करते हुए पायलटों की ट्रेनिंग को लेक चिंता जाहिर की थी, युद्ध की तैयारी के लिए हर साल 100 घंटों के मुकाबले में सेना की औसत उड़ान का समय 25 से 30 घंटे था। हालांकि स्विरिडोव की मौत में हिंसा का कोई सबूत नहीं मिला है। क्रेमलिन ने पूर्व रूसी जनरल के निधन पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले ओडिशा में रूसी बिजनेसमैन पावेल एंतोव की होटल में लाश मिली थी। उन्होंने भी यूक्रेन हमले को लेकर पुतिन का विरोध किया था। हालांकि यही एक-दो नाम नहीं है। बल्कि पुतिन के विरोधियों के मरने की फेहरिस्त लंबी है। साल 2015 में रूस के नेम्तसोव की हत्या हो गई थी। वो पोस्ट-सोवियत के एक पॉलिटिकल स्टार माने जाते थे। वो डिप्टी पीएम तक बन गए थे। वहीं कुछ लोग उन्हें राष्ट्रपति के पद के लिए अच्छा उम्मीदवार मानने लगे थे। लेकिन पुतिन चुनाव जीत गए।

इसके बाद साल 2011 में उन्होंने चुनाव में हुए घोटाले को लेकर रैली निकाली. करीब 4 साल बाद यूक्रेन में रूस की सैन्य भागीदारी के खिलाफ एक मार्च में शामिल होने के कुछ घंटों बाद ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्टैनिस्लाव मार्केलोव और अनास्तासिया बाबूरोवा की हत्या की दी गई। मार्केलोव एक मानवाधिकार वकील थे, जिन्होंने उन पत्रकारों का भी प्रतिनिधित्व किया, जिन्होंने पुतिन के खिलाफ लेख लिखा था। मार्केलोव की साल 2009 में अज्ञात बंदूकधारी ने हत्या कर दी। सर्गेई युशेनकोव की मास्को में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। युशेनकोव सबूत एकत्रित कर रहे थे। क्योंकि उनका मानना था कि 1999 में एक अपार्टमेंट बम विस्फोट के पीछे पुतिन सरकार का हाथ था। सर्गेई मैग्निटस्की, एलेक्जेंडर, नतालिया एस्टेमिरोवा, अन्ना पोलितकोवस्काया, अलेक्जेंडर लिट्विनेंको, यूरी शेकोचिखिन और वैग्नर चीफ की भी हत्या हो चुकी है।

गुजरात में ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के लिए एमबीएसआईआर बना नया आकर्षण का केन्द्र

- मांडल बेचराजी के औद्योगिक विकास से स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिला

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात का मांडल बेचराजी स्पेशल इन्वेस्टमेंट सेक्टर (एमबीएसआईआर) ऑटो मोबाइल और ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के सेक्टर में दुनिया के सबसे बड़े ऑटो मोबाइल हब के रूप में उभर रहा है। मारुति सुजुकी और होंडा जैसी वैश्विक कंपनियों के ऑटो मैन्युफैक्चरिंग प्लान्ट्स यहाँ संचालित हैं जिससे यहाँ के स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिल रहा है। स्थानीय निवासी रंजीतभाई ठाकोर जो पिछले 20 सालों से सीतापुर गाँव में चाय की दुकान चलाते हैं, वे एमबीएसआईआर के बारे में कहते हैं, ''मांडल बेचराजी के स्पेशल इन्वेस्टमेन्ट रीजन बनने से पहले केवल ग्रामीण क्षेत्र के लोग ही उनकी दुकान में चाय पीने आया करते थे। लेकिन एंएंई बनने के बाद यहाँ कनेक्टिविटी बेहतर हो गई है और यहाँ औद्योगिक विकास होने की वजह से मेरे टी-स्टॉल पर आने वाले ग्राहकों की संख्या भी बढ़ गई है। पहले हमारी दैनिक आमदनी लगभग 3 से 4 हजार रुपए के आसपास थी लेकिन एमबीएसआईआर के बनने के बाद हमारी आमदनी दुगुनी हो गई है।''

एमबीएसआईआर के आने से सीतापुर गांव का हुआ विकास

एमबीएसआईआर बनने से स्थानीय व्यवसायों के साथ-साथ किसानों को भी काफी फायदा हुआ है। इस बारे में बात करते हुए, सीतापुर के किसान कनुदानभाई गढ़वी कहते हैं, ''20 साल पहले सीतापुर गाँव को पिछड़ा माना जाता था। चार जिलों की सीमा से लगे सीतापुर में ज़मीन की कीमतें बमुश्किल ?10,000 प्रति बीघे मिलती थीं। लेकिन, आज जो जमीनें विशेष निवेश क्षेत्र बन रही हैं, उनकी कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं जिससे हमें काफी लाभ हुआ है। साथ ही, यहाँ मौजूद कंपनियों ने अपनी सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) गतिविधियों के हिस्से के रूप में, गांव में शौचालय और सामुदायिक हॉल को भी विकसित किया है। एमबीएसआईआर के कारण ही सीतापुर और आसपास के गांवों के लोगों को यहां स्थापित होने वाली कंपनियों में रोजगार मिल रहा है।''

एमबीएसआईआर भविष्य में बनेगा ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का केन्द्र

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के दसवें संस्करण के आयोजन की ओर आगे बढ़ रहा है। 20 साल पहले शुरू हुए वाइब्रेंट गुजरात समिट की सफल योजना के परिणामस्वरूप, गुजरात को कई मेगा प्रोजेक्ट मिले हैं जो गुजरात के भविष्य के विकास का नेतृत्व करेंगे। मांडल बेचराजी एंई, ऐसा ही एक फ्यूचरिस्टिक मेगा प्रोजेक्ट है जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तब की थी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। आज दुनिया के बड़े उद्योगपति गुजरात में निवेश कर रहे हैं। बहुचराजी के पास प्रसिद्ध कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुज़ुकी का नया मैन्युफैक्चरिंग प्लान्ट स्थापित होने से यहाँ के आसपास के क्षेत्रों में व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

एमबीएसआईआर में फेज़-1 का काम पूरा हुआ

मांडल-बेचराजी स्पेशल इन्वेस्टमेन्ट रीजन (एमबीएसआईआर) कई बड़े इन्वेस्टमेन्ट्स के साथ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। आज यहाँ मारुति सुजुकी और होंडा जैसी प्रसिद्ध कार कंपनियों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स संचालित हैं। एमबीएसआईआर के तहत कुल 102 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल को औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया जा रहा है जिसमें 9 गांव- हालीपुर, सीतापुर, उघरोज, उघरोजपुरा, भागापुरा, गीतापुर, उकरदी, चंदनकी और शिहोर शामिल हैं। फिलहाल इस क्षेत्र में फेज-1 के तहत सड़क और कनेक्टिविटी से संबंधित काम पूरे हो चुके हैं, जबकि फेज-2 में स्ट्रीट लाइट, सीवर लाइन, स्वच्छ पेयजल जैसे काम अगले दो साल में पूरे कर लिए जाएंगे।

वर्ल्डकप का फाइनल मुकाबला : आम ही नहीं खास लोग को भी मैच के टिकट से वंचित

अहमदाबाद (ईएमएस) वर्ल्डकप 2023 के फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होनेवाले मुकाबले को लेकर गुजरात समेत देशभर में जबर्दस्त उत्साह है। रविवार को होनेवाले मैच के सारे टिकट बिक चुके हैं। जिन्हें टिकट मिल गया है वह तो गद गद हैं लेकिन जो वंचित रह गए हैं उन्हें अफसोस है। आम ही नहीं खास लोग भी फाइनल मुकाबले के टिकट वंचित रह गए हैं। जिसमें तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन भी शामिल हैं। उदयनिधि ने कहा कि मैच की सभी टिकट बिक चुके हैं। मुझे भी टिकट नहीं मिली। अगर मुझे टिकट मिलता है तो मैं वर्ल्डकप का मुकाबला देखने अहमदाबाद जरूर जाएंगी। अन्य लोगों की तरह मैं भी मैच को लेकर काफी उत्साहित हूँ। बता दें कि अहमदाबाद में बने विश्व के सबसे बड़े नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्डकप का मुकाबला देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत केन्द्रीय मंत्री और 8 राज्यों के मुख्यमंत्री आनेवाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचार्ड मार्ल्स और कई देशों के राजदूत भी इस मुकाबले को देखने आ रहे हैं। इसके अलावा फिल्म और उद्योग जगत की जानीमानी हस्तियां भी भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होनेवाले मुकाबले का गवाह बनेंगी। 1.30 लाख दर्शकों की क्षमता वाला नरेन्द्र मोदी स्टेडियम 19 नवंबर को खचाखच भरा रहेगा। रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मुकाबला होना है और दोनों ही टीमें मजबूत हैं। अबकी बार भारत वर्ल्डकप की चौथी फाइनल मैच खेलेगा। इससे पहले भारत तीन में से दो बार फाइनल मुकाबला जीत चुका है। 1983 में वर्ल्डकप के फाइनल में भारत ने वेस्ट इंडिज और 2011 में श्रीलंका को परास्त कर ट्रोफी अपने नाम की थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया पांच बार वर्ल्डकप जीत चुका है और आठवीं बार फाइनल खेलने के तैयार हैं। दर्शकों को उम्मीद है कि कल होनेवाला मुकाबला काफी रोमांचक होगा।

विश्व कप फाइनल के लिए कल अहमदाबाद में कड़ी सुरक्षा

अहमदाबाद, १८ नवम्बर। वर्ल्ड कप २०२३ के फाइनल मैच को लेकर अहमदाबाद में जश्न का माहौल बना हुआ है। लाखों दर्शकों की सुरक्षा के लिए शहर में पुलिस के कड़े इंतजाम किये गये हैं। अहमदाबाद में कड़ी सुरक्षा की बात करें तो स्टेडियम में करीब ४,००० पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जबकि शहर की सड़कों पर ५ हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। मैच के जश्न के लिए पूरे शहर में पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गई है। स्टेडियम में १ IG, २० ACP, १४५ PSI समेत १३ DCP सुरक्षा में तैनात किये गये हैं। स्टेडियम में कुल २८०० पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। वहीं, शहर की बात करें तो ४ IGP, २७ ACP, २३० PSI तैनात किये जाएंगे। शहर में ट्रैफिक पुलिस में १ IGP, ११ ACP, ३६ PSI सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे।

जनपथ से मोटेरा स्टेडियम के मुख्य द्वार तक कृपा रेजीडेंसी से मोटेरा टी तक का रास्ता दोनों तरफ से बंद रहेगा। डायवर्जन रूट के तौर पर तपोवन सर्कल से ओएनजीसी फोर शेड से विसैट टी होते हुए जनपथ टी से पावर हाउस फोर शेड से प्रबोधरावल सर्कल तक आवाजाही की जा सकेगी। कृपा रेजीडेंसी से शरण स्थिति तक एक अन्य मार्ग भट्ट कोटेश्वर रोड से अपोलो सर्कल की ओर पहुंचा जा सकता है।

यह फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है। उस वक्त इस स्टेडियम में १ लाख से ज्यादा दर्शक मैच देखने आ रहे हैं। जिसके चलते अहमदाबाद की कुछ सड़कों को सुबह ११ बजे से दोपहर १२ बजे तक बंद रखने का फैसला किया गया है। यहां बता दें कि फाइनल मैच के लिए मेट्रो सुबह ६।२० से दोपहर १ बजे तक चलेगी।

जिसमें यात्रियों को हर १२ मिनट में इस तरह से चलाया जाएगा कि उन्हें मेट्रो मिल जाए। जिसमें खास सुविधा में बदलाव किया गया है कि यात्रियों को प्लास्टिक टोकन की जगह कागज के टिकट दिए जाएंगे।

100 से ज्यादा वीवीआईपी बनेंगे वर्ल्डकप के फाइनल मुकाबले का गवाह, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कल होनेवाले वर्ल्डकप के फाइनल मुकाबले का 100 से ज्यादा वीवीआईपी गवाह बनेंगे। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में होनेवाले महामुकाबले को यादगार बनाने के लिए एयर शो का भी आयोजन किया गया है। 1.30 लाख दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम को दुल्हन की तरह सजाया गया है। साथ ही सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होनेवाला मुकाबले के दौरान सवा लाख से भी अधिक दर्शकों से स्टेडियम खचाखच भरा होगा। साथ ही 100 से ज्यादा वीवीआईपी भी इस ऐतिहासिक दिन के गवाह होंगे। इन वीवीआईपी मेहमानों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, 8 से ज्यादा राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, गुजरात और तमिलनाडु समेत कई राज्यों के विधायक भी मैच देखने नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पहुंचेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास के अलावा सुप्रीम कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश और पूर्व न्यायधीश भी स्टेडियम में बैठकर भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच देखेंगे। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री प्रतिनिधिमंडल के साथ मैच देखने अहमदाबाद आएंगे। सिंगापोर, अमेरिका और यूईए के राजदूत भी मैच देखने अहमदाबाद आएंगे। अमेरिका के राजदूत एरिक गेसेट्टी, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचार्ड मार्ल्स, भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिलिप ग्रीन, यूईए के राजदूत अब्दुलनासर जमाल अलशाली और सिंगापोर के गृह मंत्री भी वर्ल्डकप का फाइनल मैच देखने अहमदाबाद आएंगे। मैच से एक दिन पहले कई वीवीआईपी मेहमानों का अहमदाबाद में आगमन शुरू हो गया है। जिसमें केरल हाईकोर्ट के न्यायधीश जितेन्द्र देसाई अहमदाबाद पहुंच गए हैं। सौरव गांगुली, रवि शास्त्री की पत्नी रितु सिंग, पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर के अलावा सारा तेंदुलकर भी अहमदाबाद पहुंच गई हैं। वर्ल्डकप फाइनल मैच को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। स्टेडियम के भीतर ही एक खास कंट्रोल रूम बनाया गया है। स्टेडियम की सुरक्षा में 4 पुलिस समेत अन्य जवानों को तैनात किया गया है। मैच के बाद विजय जुलूस के लिए भी खास सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा बंदोबस्त में गुजरात पुलिस के साथ साथ क्राइम ब्रांच, एटीएस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और एसआरपी समेत एजेंसियों संकलन में रहकर काम कर रही हैं। ड्रोन से सभी व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है।

सट्टेबाजी बाजार में भारत फाइनल जीतने का दावेदार है

वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले से पहले सट्टेबाजी का बाजार गर्म है

सट्टा बाजार में फाइनल मैच में टीम इंडिया की कीमत ४५ पैसे और ऑस्ट्रेलिया की कीमत १.९० रुपये रही।

अहमदाबाद, १८ नवम्बर। फाइनल मैच कल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले से पहले सट्टेबाजी का बाजार गर्म हो गया है। टॉस कौन जीतता है यह सबसे बड़ा दांव है। ऐसा लग रहा है कि वर्ल्ड कप के फाइनल मैच पर सट्टा १५ हजार करोड़ के पार पहुंच जाएगा।

फाइनल मैच पर दांव लगाने के लिए दुबई समेत कई देशों से १०० से ज्यादा सट्टेबाज गुजरात में डेरा जमा चुके हैं। स्टेडियम मैच और लाइव प्रसारण के बीच ७ सेकंड के अंतर का उपयोग सट्टेबाजों द्वारा राजस्व हथियार के रूप में किया जाएगा।

सट्टेबाजी बाजार में भारतीय टीम हॉट फेवरेट है। फाइनल पर १५ हजार करोड़ का सट्टा लगने की संभावना है। फाइनल में भारत की जीत की कीमत ४५ पैसे, ऑस्ट्रेलिया की कीमत १.९० रुपये। इसलिए दोनों देशों में कीमतें बढ़ेंगी। सट्टा बाजार में टीम इंडिया सबसे पसंदीदा है। सटोरियों द्वारा फाइनल मैच पर प्रति सत्र पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक का सट्टा लगाने का अनुमान है। १० ओवर के पहले सेशन को खोलने के बाद पांच-पांच ओवर के बाकी पांच सेशन को खोला जाएगा। सट्टेबाजों द्वारा विभिन्न ऐप बनाए जाते हैं और फोन से सट्टेबाजों को दिए जाते हैं। उनके नेटवर्क से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप या टेलीग्राम का नहीं बल्कि उनके द्वारा डिजाइन किए गए एक खास ऐप का इस्तेमाल करना होगा। जिसमें पावर प्ले, सिक्स-फोर, खिलाड़ी के स्कोर पर सट्टा खेला जा रहा है।

यह विश्व कप फाइनल सट्टेबाजों के लिए एक बड़ा दिन बन रहा है। भारत टॉस जीते या हारे, पसंदीदा टीम भारत ही रहेगी। जिसमें अगर भारत पहले टॉस जीतता है तो ३५० से ज्यादा का स्कोर बन सकता है। वहीं दूसरी पारी में भी उनके रन चेज की अगुवाई करने की संभावना है। इसके अलावा सट्टेबाजों के लिए फाइनल में करोड़ों रुपये कमाने के लिए सेशन सबसे अहम होते हैं। कितने चौके लगेंगे, कितने छक्के लगेंगे, डॉट बॉल और अतिरिक्त रन पर भी सबकी नजर रहेगी। जिसमें सभी भारतीय विश्व कप विजेता टीमों के कप्तान मौजूद रहेंगे। सभी कप्तानों के लिए खास ब्लेजर तैयार किया गया है। विश्व कप विजेता टीमों के कप्तानों की परेड भी आयोजित की जाएगी। परेड के बाद माजरज़रीन की ओर से सभी कैप्टनों को सम्मानित किया जाएगा।

भाजपा ने गुजरात के मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

अहमदाबाद (ईएमएस) फिलहाल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव चल रहे है और अगले साल होनेवाले लोकसभ चुनाव को लेकर भाजपा ने काफी पहले से तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा ने संघ प्रदेश दमन, दीव और दादरा नगरहवेली का पूर्णेश मोदी को बतौर प्रभारी नियुक्त कर दिया है। पूर्णेश मोदी गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक हैं। साथ ही सह प्रभारी के तौर पर भाजपा ने भरुच के पूर्व विधायक दुष्यंत पटेल को नियुक्त किया है। पूर्णेश मोदी और दुष्यंत पटेल को संघ प्रदेश का प्रभारी व सह प्रभारी नियुक्त करने के भाजपा हाईकमान के फैसले से कार्यकर्ता भी हैरान हैं। क्योंकि संघ प्रदेश का बतौर प्रभारी उन नेताओं को नियुक्त किया जाता है, जो केन्द्र से जुड़े हों। लेकिन इस बार दक्षिण गुजरात के दो नेताओं की सीधी नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ता अचंभित हैं। वैसे भी भाजपा चौंकाने वाले फैसले ही करती आई है। बता दें कि पूर्णेश मोदी भाजपा के वही नेता हैं जिन्होंने मोदी सरनेम को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस किया है। इस मामले में राहुल गांधी को सजा भी सुनाई गई और उनकी सांसदी भी चली गई थी। हांलाकि कोर्ट के आदेश के बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल हो गई है। सूरत पश्चिम से भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी बी.कॉम और एलएलबी किया है और वह पेशे से वकील भी हैं।

अलग-अलग जगहों पर बुलाया और संबंध बनाए महाराष्ट्र की एक लड़की से शादी का लालच देकर रेप किया गया

अहमदाबाद, १८ नवम्बर। मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली एक लड़की ने अहमदाबाद के एक युवक के खिलाफ नागपुर में बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई है। चूंकि यह घटना अहमदाबाद के सैटेलाइट में हुई थी इसलिए वहां की पुलिस ने इस शिकायत को सैटेलाइट पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है।

जांच में पता चला है कि कॉल सेंटर चलाने वाले आरोपी युवक ने युवती को शादी का लालच देकर कई बार संबंध बनाए। युवक ने युवती को गर्भवती बताकर ठुकरा दिया और छोड़ दिया। मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली २५ वर्षीय लड़की २०२० में एक होटल में काम करने के लिए अहमदाबाद आई और उसे एक होटल में सर्विस स्टाफ के रूप में नौकरी मिल गई।

इसी दौरान उनके सहकर्मी ने कॉल सेंटर चलाने वाले पार्शव मेहता से परिचय कराया। पार्श्व ने साल २०२१ में लड़की को मिलने के लिए बुलाया और रिलेशनशिप की शुरुआत की। बाद में आरोपी ने फ्लाइट टिकट का इंतजाम कर लड़की को गोवा बुलाया. जहां लड़की एक साल तक उससे मिलती रहती थी।

चूंकि पार्शव का कॉल सेंटर पंजाब के लुधियाना में चल रहा था, इसलिए लड़की वहां भी उससे मिलने जाती थी। इतना ही नहीं, साल २०२३ में जब लड़की पार्श्व की भाभी के साथ शिमला, मनाली गई तो पार्श्व की बहन से झगड़े के कारण उसने शादी से इनकार कर दिया. बाद में आरोपी ने लुधियाना में अपना कॉल सेंटर बंद कर चंडीगढ़ और मोहाली में कॉल सेंटर शुरू कर दिया और वहां लड़की को बुलाकर संबंध बनाता था। इस बीच जब लड़की गर्भवती हो गई तो आरोपी ने उससे गर्भपात कराने को कहा और फोटो वीडियो मैसेज डिलीट कर दिया. इसके बाद, सैटेलाइट पुलिस ने लड़की की शिकायत के आधार पर स्थानांतरण शिकायत की आगे की जांच शुरू कर दी है कि आरोपी ने दो महीने के अजन्मे बच्चे को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

माताजी के मांडवे में भुवा की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई

मोरबी, १८ नवम्बर। हार्ट अटैक से मौत के मामले अब लोगों को चौंका रहे हैं। दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत का लाइव नजारा कैमरे में कैद हुआ है। मोरबी के टंकारा तालुका के रामपर गांव में माताजी के मांडवा में धुनते हुए भुवा की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। भुवा के स्टेज पर दम तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया है। हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों के बीच टंकारा की घटना का वीडियो भयावह है। हाल के दिनों में दिल का दौरा पड़ने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। कोरोना काल के बाद युवाओं में हार्ट अटैक से मौत के कई मामले सामने आ रहे हैं। उस समय कल रात टंकारा के रामपर गांव में माताजी के मांडवा में भुवा पीते समय हृदयाघात से मृत्यु हो गई। आश्चर्य की बात यह थी कि दरवाजे की घंटियाँ बज रही थीं और किसी को पता भी नहीं चला कि भुवाजी की जान चली गई। उपस्थित सभी लोगों को ऐसा लग रहा था कि भुवाजी ध्यान में बैठे हैं। जब वह उन्हें पानी देने गया तो पता चला कि भुवाजी की दुखद मृत्यु हो गई है। अहमदाबाद में इस वक्त हार्ट अटैक से ज्यादा हार्ट अटैक के मामले देखने को मिल रहे हैं। नवरात्र के दौरान हार्ट अटैक के मामले बढ़ गए हैं। तब अहमदाबाद मेडिकल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ। मुकेश माहेश्वरी ने कहा था कि लोगों की जीवनशैली और अत्यधिक तनाव हार्ट अटैक का मुख्य कारण है। वर्तमान समय में हार्ट अटैक की तुलना में हार्ट स्ट्रोक के मामले अधिक आम हैं। हार्ट अटैक का मतलब है दिल की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं, हार्ट अटैक में दिल अचानक पूरी तरह से काम करना बंद कर देता है।

हाल के दिनों में गरबा खेलते या क्रिकेट खेलते समय लोग अचानक दिल के दौरे का शिकार हो गए हैं। इसलिए हृदय संबंधी समस्याओं से बचने के लिए तनाव से बचना चाहिए।

सरकार ने आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना-2.0 के तहत 27 विनिर्माताओं को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मोबाइल फोन के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआई) की सफलता के आधार पर, 17 मई, 2023 को आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना - 2.0 को मंजूरी दे दी थी। इस योजना में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी, सर्वर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर डिवाइस शामिल हैं।

आज 27 आईटी हार्डवेयर विनिर्माताओं के आवेदनों को मंजूरी दे दी गई है। एसर, आसुस, डेल, एचपी, लेनोवो आदि जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के आईटी हार्डवेयर का निर्माण भारत में किया जाएगा। योजना की अवधि के दौरान इस अनुमोदन के अपेक्षित परिणाम इस प्रकार हैंः

ङ रोजगारः कुल लगभग 02 लाख

ङ लगभग 50,000 (प्रत्यक्ष) और लगभग 1.5 लाख (अप्रत्यक्ष)

ङ आईटी हार्डवेयर उत्पादन का मूल्यः 3 लाख 50 हजार करोड़ रुपये (42 बिलियन अमेरिकी डॉलर)

ङ कंपनियों द्वारा निवेशः 3,000 करोड़ रुपये (360 मिलियन अमेरिकी डॉलर)

उद्योग जगत के दिग्गजों और मीडिया को संबोधित करते हुए, रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 27 अनुमोदित आवेदकों में से 23 आज से ही विनिर्माण शुरू करने के लिए तैयार हैं।

क्रिकेट वर्ल्डकप : यात्रियों को दो घंटे पहले अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने की एडवाइजरी जारी

अहमदाबाद (ईएमएस) विश्व के सबसे बड़े नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कल क्रिकेट वर्ल्डकप 2023 का फाइनल मुकाबला होना है और इसमें अतिविशिष्ट अतिथियों के आगमन के चलते अहमदाबाद एयरपोर्ट काफी व्यस्त रहेगा। जिसे देखते हुए अहमदाबाद से बाहर जानेवाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जिसके मुताबिक यात्रियों को चेक इन से दो घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचना अनिवार्य होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होनेवाला मुकाबला देखने के लिए अनेक वीवीआपी मेहमान आनेवाले हैं और इस कारण से रविवार की दोपहर 1.25 से 2.10 बजे तक एयर ट्रैफिक बंद रहेगा। दूसरी बात यह है कि एयरफोर्स की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के एयर शो की वजह से भी एयर ट्रैफिक बंद रहेगा। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होनेवाले महामुकाबले को देखने के लिए दुनियाभर की मशहूर हस्तियां आनेवाली हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा अनुराग ठाकुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया भी वर्ल्डकप फाइनल मैच के गवाब बनेंगे। मैच देखने ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचार्ड मार्ल्स अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ अहमदाबाद आएंगे। उद्योग जगत से मुकेश अंबाणी, लक्ष्मी मित्तल, गौतम अदाणी, जिंदलग्रुप समेत वीवीआईपी मैच देखने अहमदाबाद आएंगे। भारत के 8 राज्यों के मुख्यमंत्री, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात इत्यादि देशों के राजदूत भी आनेवाले हैं। इस कारण अहमदाबाद एयरपोर्ट 19 नवंबर को काफी व्यस्त रहेगा। ऐसे में यात्रियों को किसी प्रकार की मुश्किल ना हो इसके लिए एक एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें यात्रियों को चेक इन के समय से 2 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचने की हिदायत दी गई है। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में चार्टर्ड प्लेन लैंड करेंगे। जिसे देखते हुए अहमदाबाद एयरपोर्ट पर नाइट पार्किंग के लिए 15 स्टैन्ड की व्यवस्था की गई है। 15 स्टैन्ड में से 6 स्टैन्ड बिजनेस जेट एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के लिए रिजर्व रहेंगे। अहमदाबाद के जी.ए. टर्मिनल पर 100 से ज्यादा चार्टर्ड प्लेन उतरेंगे। एयरपोर्ट पर 30-40 जितने चार्टर्ड प्लेन पार्क किए जा सकें, ऐसी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा वीवीआईपी और सेलिब्रिटी के चार्टर्ड प्लेन के लिए सूरत, राजकोट, वडोदरा में पार्किंग की व्यवस्थी की गई है।

सरदार सरोवर बांध : पुनर्वास के लिए निर्मित बस्तियों को उनके मूल गाँव की मिलेगी पहचान

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का बांध निर्माण में डूब क्षेत्र में आनेवाले भूमि के खातेदारों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सरदार सरोवर बांध के निर्माण के कारण डूब के क्षेत्र में आने वाली भूमि के खातेदारों के पुनर्वास के लिए निर्मित बस्तियों में से लगभग 80 बस्तियों को उनके निकटस्थ मूल गाँव में विलय करने का निर्णय किया है। सरदार सरोवर बांध के निर्माण के कारण जिनकी ज़मीनें डूब के क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं; उन खातेदारों के पुनर्वास के लिए सरदार सरोवर पुनर्वास अभिकरण (एसएसपीए) द्वारा अलग-अलग स्थानों पर बस्तियाँ बनाई गई हैं। नर्मदा योजना के प्रभावितों का पुनर्वास कर बसाई गई इन बस्तियों में प्रभावितों के लिए आवासीय घर, पेयजल की सुविधा, सड़क, कॉमन प्लॉट, स्कूल, चिकित्सालय आदि भौतिक सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। राज्य के पंचायत, ग्रामीण गृह निर्माण एवं ग्रामीण विकास विभाग ने ऐसी बस्तियों को उनके निकटस्थ मूल गाँव में विलय करने संबंधी प्रस्ताव मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष किया था, जिसे उन्होंने अनुमोदित कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय से ऐसी बस्तियों के संबंध में लंबित रहे इस विषय का सुखद निराकरण आया है। मुख्यमंत्री द्वारा किए गए इस निर्णय के अनुसार भरूच ज़िले की 9, छोटा उदेपुर ज़िले की 14, नर्मदा ज़िले की 13, वडोदरा ज़िले की 38, पंचमहाल ज़िले की 5 और खेडा ज़िले की 1 सहित कुल 80 बस्तियों का मूल गाँव के साथ विलय कर दिया जाएगा। इन बस्तियों के मूल गाँव के साथ विलय होने से इन बस्तियों के लोगों को सम्बद्ध ग्राम पंचायत द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं का लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं, इन बस्तियों के लोगों को ग्राम पंचायत की निर्णय प्रक्रिया में सहभागी होने के अवसर मिलेगा तथा सम्बद्ध ग्राम पंचायत के साथ विलय के कारण उनके सामाजिक रीति-रिवाज़ों और व्यवहारों में भी एक-दूसरे के साथ समन्वय एवं संबंध सुदृढ़ बनेंगे।

पश्चिम रेलवे चलायेगी मुंबई और अहमदाबाद के बीच एक जोड़ी और अतिरिक्त सुपरफास्ट विशेष ट्रेन

पश्चिम रेलवे और मध्य रेल द्वारा रविवार, 19 नवंबर, 2023 को अहमदाबाद में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 फाइनल मैच देखने जाने वाले क्रिकेट प्रशंसकों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और अहमदाबाद के बीच एक जोड़ी और अतिरिक्त विशेष ट्रेन चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें विशेष किराये पर चलेंगी। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन नंबर 01167/01168 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - अहमदाबाद स्पेशल (2 फेरे)

ट्रेन नंबर 01167 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - अहमदाबाद स्पेशल रविवार, 19 नवंबर, 2023 को 04.30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11.50 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 01168 अहमदाबाद - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल सोमवार, 20 नवंबर को 03.00 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 10.15 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दादर, ठाणे, वसई रोड और सूरत स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर, एसी 3 टियर इकोनोमी, स्लीपर क्लास और सेकेंड सिटिंग के कोच होंगे।

ट्रेन नंबर 01168 की बुकिंग 19 नवंबर 2023 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू है। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.Indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ बुधवार, 22 नवंबर, 2023 को खुलेगा

मुंबई, 17 नवंबर, 2023: गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) लिमिटेड (कंपनी) ने बुधवार, 22 नवंबर, 2023 को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर) खोलने का प्रस्ताव रखा है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तिथि शुक्रवार, 24 नवंबर, 2023 को होगी। एंकर निवेशक बोली/प्रस्ताव अवधि बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले, यानी मंगलवार, 21 नवंबर, 2023 है।

ऑफर का प्राइस बैंड रु. 160 प्रति इक्विटी शेयर से रु.169 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 14,872 इक्विटी शेयर और उसके बाद 88 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है।

कंपनी का इरादा फ्रेश इश्यू की आय का उपयोग **(i)** बैंक ऑफ बड़ौदा से टेक्सोल द्वारा ली गई ऋण सुविधा के पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान के वित्तपोषण के लिए ऋण के माध्यम से टेक्सोल में निवेश; **(ii)** कंपनी के सिलवासा संयंत्र में ऑटोमोटिव तेल की क्षमता में विस्तार के लिए आवश्यक उपकरण और सिविल कार्य की खरीद के माध्यम से पूंजीगत व्यय; **(iii)** कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकता का वित्तपोषण; **(iv)** और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करना है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (ठबीएसईठ) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (ठएनएसईठ, बीएसई के साथ, ठस्टॉक एक्सचेंजठ) दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड (पहले एडलवाइस सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

इस प्रेस विज्ञप्ति में उल्लिखित सभी बड़े अक्षरों वाले शब्दों, जिन्हें परिभाषित नहीं किया गया है, का वही अर्थ होगा जो आरएचपी में निर्धारित है।

टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ बुधवार, 22 नवंबर, 2023 को खुलेगा

अहमदाबाद, 17 नवंबर 2023: वैश्विक इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास डिजिटल सेवा कंपनी, टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ठकंपनीठ) ने बुधवार को 60,850,278 इक्विटी शेयरों (ऑफर) तक का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 नवंबर, 2023 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तारीख शुक्रवार, 24 नवंबर, 2023 होगी। एंकर निवेशक बोली लगाने की तारीख बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले, यानी

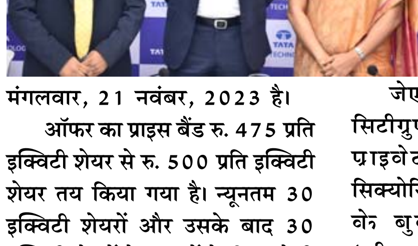

मंगलवार, 21 नवंबर, 2023 है।

ऑफर का प्राइस बैंड रु. 475 प्रति इक्विटी शेयर से रु. 500 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 30 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 30 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोली लगाई जा सकती है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं।

फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ बुधवार, 22 नवंबर, 2023 को खुलेगा

राष्ट्रीय, 18 नवंबर, 2023: फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (कंपनी), बुधवार, 22 नवंबर, 2023 को इक्विटी शेयरों का अपना आईपीओ खोलेगी। आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) में कुल रु. 600 करोड़ के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू (नया इश्यू) और विक्रेता शेयरधारकों के 35,161,723 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल और नया इश्यू के साथ, ऑफर) शामिल है।

एंकर निवेशक बोली की तारीख मंगलवार, 21 नवंबर 2023 होगी। ऑफर सब्सक्रिप्शन के लिए बुधवार, 22 नवंबर, 2023 को खुलेगा और शुक्रवार, 24 नवंबर, 2023 को बंद होगा।

ऑफर का प्राइस बैंड रु. 133 से रु. 140 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 107 इक्विटी शेयर और उसके बाद 107 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है। इस ऑफर में कर्मचारियों के लिए रु. 10 प्रति इक्विटी शेयर की छूट पर रु. 10 करोड़ तक का आरक्षण शामिल है।

इस रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) जैसे स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। ऑफर के प्रयोजनों के लिए, नामित स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड होगा।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, बीएनपी पारिबा, इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

यहां उपयोग किए गए लेकिन परिभाषित नहीं किए गए सभी बड़े अक्षरों वाले शब्दों का वही अर्थ होगा जो आरएचपी में बताया गया है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96